डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 94 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 13 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मॉरीशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मा न ग्रहण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल ने प्रधानमंत्री मोदी को मॉरीशस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन (जीसीएसके) से सम्मानित किया। यह प्रथम अवसर है जब किसी भारतीय राजनेता को यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस पुरस्कार को भारत और मॉरीशस के बीच विशेष मैत्री तथा भारत के 1.4 अरब लोगों और मॉरीशस में रहने वाले उनके 1.3 मिलियन भाइयों-बहनों को समर्पित किया।

राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान भारतीय नौसेना की मार्चिंग टुकड़ी ने परेड में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय दिवस समारोह के अवसर पर भारतीय नौसेना का एक पोत भी मॉरीशस बंदरगाह पहुंचा।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को 'वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड की सौंपी ट्राफी

जयपुर। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को इसी महीने गुरुवार को मिले "वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया" की ट्राफी बुधवार को शासन सचिव रवि जैन ने सौंपी।

उल्लेखनीय है कि यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री, डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया। जिसे उप मुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया था।

राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कर्ष कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है।

राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान को यह सम्मान प्रदान किया हैं।

मुख्यमंत्री ने 30 मार्च, के दिन 'राजस्थान दिवस' के अवसर पर सप्ताह भर वृहद् स्तर पर धूमधाम के साथ आयोजन की करी घोषणा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 30 मार्च, 2025 को नव संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन 'राजस्थान दिवस' के अवसर पर सप्ताह भर वृहद् स्तर पर धूमधाम के साथ आयोजन की घोषणा की है, जिसका उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्वागत किया है।

बजट 2025-2026 वित्त एवं विनियोग विधेयक चर्चा पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभाग से सम्बंधित कई महत्वपूर्ण एवं नवीन घोषणाएं की हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधानसभा में राज्य के निवासियों, विशेष रूप से युवाओं का देश की वैभवशाली संस्कृति, विरासत तथा धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक स्थलों से परिचय करवाने हेतु 'भारत एवं राजस्थान पहचान भ्रमण कार्यक्रम' प्रारम्भ करने की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि वर्ष 1949 में नव संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रेवती नक्षत्र इन्द्रयोग के दिन लौहपुरुष सरदार पटेल द्वारा विभिन्न रियासतों को मिलाते हुए 'वृहद् राजस्थान' की स्थापना की गयी थी। अतः 30 मार्च, 2025 को नव संवत् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन 'राजस्थान दिवस' के अवसर पर सप्ताह भर वृहद् स्तर पर धूमधाम के साथ आयोजन किये जाने के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, भविष्य में भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही 'राजस्थान दिवस' मनाया जायेगा।

प्रदेश में विभिन्न पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास सम्बन्धी कार्य करवाये जायेंगे। जिनमें Rural Tourism को बढ़ावा देने हेतु मेनार-उदयपुर में विकास कार्य होंगे। झालावाड़ में गागरोन में रामानन्द जी की छतरी का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य करवाया जाएगा। इसी प्रकार भरतपुर में बांके बिहारी मंदिर, लक्ष्मण मंदिर एवं गंगा मंदिर में विकास कार्य, जयपुर में गलता जी मंदिर में वृहद् विकास कार्य, बांसवाड़ा में भैरवजी मंदिर, भवानपुरा, आनन्दपुरी में विकास कार्य, अलवर में भूरासिद्ध महाराज की पर्वत श्रृंखला पर स्थित शिव मंदिर समूहों के विकास कार्य, जैसलमेर में गुहड़ा में संत सदाराम जी महाराज का पेनोरमा कार्य, अजमेर, जयपुर, पाली, चित्तौड़गढ़, अलवर, चूरू, जोधपुर, उदयपुर, करौली, राजसमंद, टोंक, सिरोही, जैसलमेर एवं बारां में स्थित राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) की सम्पत्तियों को निजी क्षेत्र के सहयोग से कार्यशील बनाया जाना प्रस्तावित है।

अजमेर में राजकीय संग्रहालय एवं किले के संरक्षण, जीर्णोद्धार व उन्नयन सम्बन्धी कार्य, अजमेर में प्रवेश द्वार से लेकर अम्बेडकर सर्किल सड़क मार्ग एवं विभिन्न चौराहों का सौन्दर्गीकरण कार्य करवाये जाएंगे।

यूपी के जेएस विश्वविद्यालय ने बेची एक ही सत्र की 1200 फर्जी डिग्रियां, पेन ड्राइव की जांच में हुआ पर्दाफाश

जयपुर। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के शिकोहाबाद स्थित निजी जेएस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सुकेश कुमार और रजिस्ट्रार नंदन मिश्रा ने दलालों के साथ मिलकर एक ही शिक्षा सत्र के बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) की 1200 डिग्रियां बेच दीं।

नियमों के तहत विश्वविद्यालय को एक सत्र में अधिकतम 150 सीटें आवंटित थीं। जिन युवाओं को डिग्रियां दी गईं, उनका सत्र 2016-2018 बताया गया, जबकि फीस जमा करने का वर्ष 2021 दर्शाया गया।

पेन ड्राइव से खुला राज:-

फर्जीवाड़े की जांच कर रही राजस्थान एसओजी ने विश्वविद्यालय के लेखाधिखारी सुमित के पास से एक पेन ड्राइव जब्त किया है, जिसमें डिग्रियों को बांटने का पूरा दस्तावेज संलग्न है। इसमें वह दस्तावेज भी मिला है, जिसमें उल्लेख है कि किस दलाल के कहने से कितने पैसे लेकर कितनी डिग्रियां दी गईं। जिन युवकों को डिग्री दी गई, उनमें 90 फीसद कभी विश्वविद्यालय पहुंचे ही नहीं। दलाल से पैसे लेकर कुलाधिपति और रजिस्ट्रार ने डिग्रियां दे दीं।

आमने-सामने बिठाकर हो रही पूछताछ:-

अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह के निर्देशन में जांच कर रही एसओजी के अधिकारी गिरफ्तार कुलाधिपति, रजिस्ट्रार, दलाल और लेखाधिकारी को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ कर रहे हैं। यह सामने आया है कि राजस्थान में शारीरिक शिक्षकों की भर्ती की विज्ञप्ति जारी होने के बाद से ही फर्जी डिग्री का खेल शुरू हो गया था।

दलाल अजय भारद्वाज को जब विश्वविद्यालय द्वारा फर्जी डिग्री और अंक तालिकाएं पैसे लेकर देने के बारे में पता चला तो उसने कुलाधिपति डॉ. सुकेश से संपर्क किया। उसके जरिए पैसे लेने के 15 से 20 दिनों के अंदर डिग्री दे दी गई। सुकेश आगरा के बाहे में संचालित सरकारी कालेज का प्राचार्य है। उसने वर्ष 2015 में अपने पिता के नाम से विश्वविद्यालय खोला। पिछले सप्ताह विदेश फरार होने के पहले एसओजी ने सुकेश को दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। सुकेश राजस्थान में दो निजी विश्वविद्यालय खोलने की योजना भी बना रहा था।

शाहजहाँपुर में 'लाट साहब' जुलूस की तैयारियाँ जोरों पर, प्रशासन ने कसी कमर

शाहजहाँपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हर साल निकलने वाले ऐतिहासिक 'लाट साहब' जुलूस की तैयारियाँ जोरों पर हैं। प्रशासन ने इस बार सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं ताकि यह परंपरागत आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

क्या है 'लाट साहब' जुलूस की परंपरा?

'लाट साहब' जुलूस शाहजहाँपुर में होली के अवसर पर निकलता है। यह परंपरा अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही है। ब्रिटिश शासन में गवर्नर जनरल को 'लाट साहब' कहा जाता था। इसी से प्रेरित होकर स्थानीय लोग एक व्यक्ति को 'लाट साहब' के रूप में सजाकर जुलूस निकालते हैं। यह आयोजन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा बन चुका है।

इस जुलूस में 'लाट साहब' बने व्यक्ति को सफेद कपड़े पहनाए जाते हैं और उन्हें घोड़े या हाथी पर बैठाकर शहर में घुमाया जाता है। इसके साथ ही उनके पीछे होली खेलते हुए और पारंपरिक वेशभूषा में लोग चलते हैं।

पिछले वर्षों में हुईं अप्रिय घटनाएँ

पिछले कुछ वर्षों में इस जुलूस के दौरान कई अप्रिय घटनाएँ सामने आई हैं, जिनमें असामाजिक तत्वों द्वारा गड़बड़ी फैलाने के प्रयास किए गए। 2021 में 'छोटे लाट साहब' की आँखों में मिर्च डाल दी गई थी, जिससे शहर में हंगामा मच गया था। इस घटना के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का निर्णय लिया।

इस बार सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इस वर्ष जिला प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीरता दिखाई है। प्रमुख इंतजाम इस प्रकार हैं:

ड्रोन कैमरों से निगरानी: जुलूस के पूरे मार्ग को ड्रोन कैमरों से कवर किया जाएगा।

अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती: दो कंपनी पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र बल) और दो कंपनी आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) को सुरक्षा के लिए लगाया गया है।

संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी: जहाँ पहले विवाद हुए हैं, वहाँ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

छतों की जाँच: प्रशासन ने उन छतों की जाँच की जहाँ से जुलूस पर ईंट-पत्थर फेंके जा सकते थे। संदिग्ध स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है।

साइबर मॉनिटरिंग: सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है ताकि कोई भड़काऊ पोस्ट या अफवाह न फैले।

'लाट साहब' बने व्यक्ति की सुरक्षा

'लाट साहब' बनने वाले व्यक्ति की सुरक्षा भी प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्हें होली से 15 दिन पहले गुप्त स्थान पर रखा जाता है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और इसे पूरी गोपनीयता से निभाया जाता है।

स्थानीय लोग और प्रशासन का सहयोग

शहर के बुजुर्ग और गणमान्य नागरिक भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं। समाजसेवी संस्थाएँ और स्वयंसेवक भी इसमें मदद कर रहे हैं।

प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन और पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे शांति और सद्भाव बनाए रखें। अगर किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

संसद में मणिपुर बजट पर चर्चा में पीएम मोदी की अनुपस्थिति पर बवाल, विपक्ष ने बजट को जनविरोधी कहा

नई दिल्ली। मणिपुर में जारी जातीय हिंसा का मुद्दा मंगलवार (11 मार्च) को लोकसभा में गूंजा, जब विपक्षी सदस्यों ने 2025-26 के लिए मणिपुर बजट पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिंसाग्रस्त राज्य का दौरा न करने और केंद्र सरकार द्वारा संकट से निपटने के तरीके पर सवाल उठाए।

मालूम हो कि संसद में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर बजट के साथ ही 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों और 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों पर भी चर्चा की गई।

मणिपुर के दोनों सांसदों ने राज्य में हिंसा के कारण विस्थापित हुए 60,000 लोगों की स्थिति पर ध्यान न देने के लिए मणिपुर बजट की आलोचना की और इसे 'जनविरोधी' करार दिया। विपक्षी सदस्यों ने कहा कि बजट दस्तावेज़ राज्य की जमीनी हकीकत को नहीं दर्शाता है, जो अब राष्ट्रपति शासन के अधीन है।

हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने जवाब में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के शासनकाल के दौरान राज्य की स्थिति की ओर इशारा करते हुए कहा कि सत्तापक्ष पर सवाल उठाने से पहले विपक्ष को अपने कार्यकाल की खामियों को देख लेना चाहिए।

मंगलवार, 11 मार्च को लोकसभा में मणिपुर बजट पर चर्चा के दौरान की तस्वीर।

बजट में पहाड़ी और घाटी के लोगों के लिए स्पष्ट खंड का आभाव

बाहरी मणिपुर के सांसद अल्फ्रेड कंगम आर्थर ने कहा कि मनरेगा सहित अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 2023 से फंड आवंटन नहीं किया गया है। इसके साथ ही बजट दस्तावेजों में महत्वपूर्ण पहाड़ियों और घाटियों के लिए अलग-अलग खंड का अभाव है।

उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बजट में स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख किया जाना चाहिए, गृह मंत्रालय की अधिसूचना है। आज राज्य को गृह मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा है- पहाड़ी घाटियों को अलग करना अनिवार्य है। हम कैसे जान पाएंगे कि कौन-सी चीज कहां जा रही है? इसलिए मैं वित्त मंत्री से अनुरोध करूंगा कि इस बजय को स्थगित कर वास्तविक बजट लाएं ताकि हम चर्चा कर सकें कि पहाड़ी और घाटी में क्या हो रहा है और राज्य को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।'

उन्होंने बजट को 'जनविरोधी' बताते हुए आगे कहा कि इसमें हिंसा में विस्थापित हुए 60,000 लोगों और पुनर्निर्माण प्रयासों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जिनके घर टूट गए हैं, क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उनके लिए बजट में कोई प्रावधन नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मेरा राज्य एक छोटा राज्य है लेकिन हम छोटे लोग नहीं हैं। हम इस देश में समान हैं। मैं एक बार फिर इस सदन से प्रार्थना करता हूं। अगर मेरा बार-बार बोलना इस सम्मानित सदन को समझ में नहीं आ रहा है, तो मुझे अपनी सीट छोड़ने का विशेषाधिकार दें और दोबारा वापस न आने दें। यहां आकर बार-बार बोलना और घर वापस जाना जाकर दुखद जमीनी सच्चाई देखना, बहुत दर्दनाक होता है। क्या आप जानते हैं, वहां लोग सड़कों पर हैं। और आज आप ऐसा बजट लेकर आए हैं, जो हिंसा प्रभावित लोगों के एक भी हिस्से को भी संबोधित नहीं करता है। मुझे आश्चर्य है, मुझे केंद्र के नेतृत्व से ज्यादा उम्मीद थी।'

प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति

आंतरिक मणिपुर के सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम ने कहा कि राज्य का बजट देश की संसद में पेश किया जा रहा है, ये मणिपुर की स्थिति और इसके बहिष्कार के बारे में काफी कुछ कहता है।

उन्होंने कहा, '2023 में जब संकट की शुरुआत हुई थी, तो मुझे दुख हुआ था कि प्रधानमंत्री ने राज्य का दौरा नहीं किया, आज मैं लगभग उदासीन हूं। वह राज्य का दौरा करते हैं या नहीं, इससे अब कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन देश के बाकी लोगों को पता होना चाहिए कि मणिपुर का दौरा करने के लिए प्रधानमंत्री को वीजा की कोई समस्या नहीं है। वह यूक्रेन जाकर शांति की बात कर सकते हैं, जब उनके अपने नागरिकों का कत्लेआम हो चुका है और 60,000 से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं। ऐसे में इस तरह के व्यवहार को राष्ट्रवाद की बात करने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा उचित नहीं ठहराया जा सकता है।'

उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर की राजकोषीय देनदारी सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 37। 07 प्रतिशत है। लेकिन बजट में इस आर्थिक संकट को ठीक करने के लिए कुछ भी नहीं दर्शाया गया है।

उन्होंने कहा, 'हम 60,000 लोगों के विस्थापित होने वाले राज्य हैं, जो केंद्र की मदद के बिना इस संकट से निपटने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? हम संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की मांग नहीं कर रहे हैं, हम भारत के एक घटक राज्य के रूप में संघीय सरकार से फंड के अतिरिक्त स्रोत की मांग कर रहे हैं। अगर यह संकट बिहार और यूपी में हुआ होता तो आपको इस बजट में कुछ और देखने को मिलता।'

अन्य विपक्षी सांसदों ने भी मणिपुर हिंसा और प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया

लोकसभा में विपक्ष के दूसरे बड़े नेता और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि अगस्त 2023 में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान पीएम मोदी ने खुद कहा था कि मणिपुर में जल्द ही शांति आएगी, फिर राष्ट्रपति शासन क्यों लगाया गया।

उन्होंने कहा, 'गृह मंत्री को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। दो साल पहले जब अशांति शुरू हुई थी, तो गृह मंत्री ने मणिपुर में कहा था कि वह जल्द ही वापस आएंगे। दो साल बाद भी गृह मंत्री ने दौरा नहीं किया है। मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जिम्मेदारी लें और प्रधानमंत्री राज्य का दौरा करें। बंदूक की नोक पर पूर्वोत्तर और मणिपुर में शांति नहीं आएगी।'

रॉयल पत्रिका संपादकीय

वादे हैं वादों का क्या

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने हालिया विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने के बाद जब सोमवार को अपना पहला बजट पेश किया तो उसके चुनावी वादों पर वित्तीय परेशानियों का बोझ साफ दिखा। चुनावों से पहले किए गए अपने बहुप्रचारित वादों - लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाने और किसानों का लोन माफ करने - पर बजट में सरकार पीछे हटती दिखी।

कर्ज का बोझ : पिछले साल लोकसभा चुनावों में महायुति को लगे झटके के बाद राज्य सरकार ने जो लोकलुभावन योजनाएं घोषित कीं, उनसे सरकारी खजाने पर करीब 96,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। नतीजा यह हुआ कि इस बार के बजट में अनुमानित कर्ज अब तक की सभी सीमाएं पार करते हुए 9.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अनुमानित राजस्व घाटा यानी आमदनी और खर्च का अंतर भी बढ़कर 45,891 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

मतदाताओं में मायूसी : स्वाभाविक ही, राज्य सरकार के सामने उन वादों से पीछे हटने के सिवा कोई रास्ता नहीं था। लेकिन चुनाव से पहले महिला मतदाताओं का भरोसा जीतने के लिए तत्कालीन सरकार ने न केवल लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाई बल्कि कुछ किस्तों का भुगतान भी तत्काल कर दिया। ऐसे में मजबूरियां चाहे जो भी हों, उन मतदाताओं में जरूर मायूसी है जो यह मानकर बैठे थे कि चुनाव के बाद भी सरकार वादे पूरे करने में भी वैसी ही तत्परता दिखाएगी।

अन्य राज्यों का हाल : महाराष्ट्र सरकार इस मामले में अकेली नहीं है। दिल्ली में भी महिलाओं को तत्काल 2500 रुपये महीना देना शुरू कर देने का वादा सत्तारूढ़ BJP के लिए भारी पड़ रहा है। पंजाब की भगवंत मान सरकार तो महिलाओं को 1100 रुपये महीना देने का वादा भी इन्हीं कारणों से चुनाव के तीन साल बाद भी पूरा नहीं कर पाई है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुफ्त पेशकश वाले वादों के ही चलते 1.16 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की सोच रही है, जिससे उसकी कुल देनदारी 7.64 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी।

रेवड़ी कल्चर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से रेवड़ी कल्चर के खिलाफ देश को सतर्क करते रहे हैं। यह अलग बात है कि उनकी पार्टी भी इस पर अमल नहीं कर पाई। लेकिन चुनाव से पहले वादे और चुनाव के बाद वादा तोड़ने की यह स्थिति पूरी राजनीतिक बिरादरी को मतदाताओं की नजर में संदिग्ध बना रही है। देश के राजनीतिक दलों के लिए यह विचारणीय मुद्दा होना चाहिए।

अगर भारत टैरिफ घटाता है तो नुकसान क्या होगा ?

अमेरिका और भारत के व्यापार संबंधों में एक बार फिर नया मोड़ आ गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और 2024 के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर ऊंचे टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि यह असंतुलन जारी रहा, तो अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर बदले की कार्रवाई करते हुए उच्च टैरिफ लागू करेगा। ट्रंप का यह बयान आने वाले समय में दोनों देशों के व्यापार और कूटनीतिक संबंधों को किस दिशा में ले जाएगा, यह विचारणीय विषय है।

7 मार्च 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि भारत टैरिफ घटाने के लिए तैयार हो गया। ट्रम्प ने कहा, 'भारत हमसे बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। हालांकि भारत अब अपने टैरिफ में बहुत कटौती करना चाहता है, क्योंकि कोई (अमेरिका) उनके किए की पोल खोल रहा है।'

टैरिफ एक तरह का बॉर्डर फीस या टैक्स होता है, जो कोई भी देश विदेशों से अपने यहां आने वाले सामान पर लगाता है। इसे घटा-बढ़ाकर ही देश आपस में व्यापार को कंट्रोल करते हैं।

मान लीजिए भारत में तैयार एक डायमंड अमेरिका में 10 लाख रुपए में बिकता है। अगर ट्रम्प ने भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया तो उस डायमंड की कीमत सीधे 15 लाख रुपए हो जाएगी। दाम बढ़ने से अमेरिका में भारत के डायमंड की खपत कम हो जाएगी।

कोई देश टैरिफ बढ़ाता है तो उसके घरेलू मार्केट में विदेशी सामान महंगे हो जाते हैं। इससे सरकार की कमाई भी बढ़ती है। साथ ही विदेशी सामान की खपत कम होती है और घरेलू कंपनियों के सामान की खपत बढ़ती है। इस तरह सरकार घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ावा देती है।

उदाहरण के तौर पर चीन की कंपनियां मोबाइल फोन बनाती हैं। यह कंपनी अपने फोन अमेरिका बेचने पहुंचती है, लेकिन अमेरिका में भी बहुत सारी कंपनियां फोन बनाती हैं। अगर चीनी कंपनी वहां अपने सस्ते और आकर्षक फोन बेचना शुरू कर दे तो अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होगा। इसके साथ ही सरकार के रेवेन्यू पर भी असर पड़ेगा।

ऐसे में रेवेन्यू हासिल करने और घरेलू कंपनियों को बचाने के लिए सरकार चीनी मोबाइल कंपनियों पर टैरिफ लगाएगी। इससे चीनी फोन महंगे हो जाएंगे और फोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनियां उनका मुकाबला कर पाएंगीं।

कोई देश एकतरफा टैरिफ न बढ़ा दे, इसके लिए सभी देश विश्व व्यापार संगठन के साथ बातचीत करके एक रेट तय करते हैं।

ट्रम्प ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'हमारे देश को हर किसी ने लूटा, लेकिन अब यह बंद हो गया है। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसे बंद करवाया था। अब हम इसे पूरी तरह से बंद करने जा रहे हैं, क्योंकि यह बहुत गलत है। अमेरिका को आर्थिक दृष्टिकोण से, वित्तीय दृष्टिकोण से और व्यापारिक दृष्टिकोण से दुनिया के लगभग हर देश ने लूटा है।'

ट्रंप की चेतावनी और उसकी पृष्ठभूमि:

डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से भारत की टैरिफ नीति की आलोचना करते आए हैं। उनके अनुसार, भारत अमेरिकी वस्तुओं पर अत्यधिक शुल्क लगाता है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को भारी नुकसान होता है। ट्रंप विशेष रूप से ऑटोमोबाइल और कृषि उत्पादों पर भारत द्वारा लगाए गए 100% से अधिक टैरिफ से नाराज हैं। उनके अनुसार, यह न केवल अमेरिकी उद्योगों के लिए अनुचित है बल्कि वैश्विक व्यापार के सिद्धांतों के खिलाफ भी है।

ट्रंप ने कहा,

"यदि भारत हमारे उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाएगा, तो हम भी भारतीय वस्तुओं पर भारी टैरिफ लागू करेंगे। यह एक पारस्परिक (रेसिप्रोकल) व्यवस्था होगी, जिसमें हम उन देशों को उसी तरह से जवाब देंगे जैसे वे हमारे साथ व्यवहार करते हैं।"

ट्रंप की इस घोषणा के बाद अमेरिकी व्यापार नीति में बदलाव की संभावना बढ़ गई है, और भारत के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

भारत की प्रतिक्रिया और संभावित असर:

भारत सरकार ने ट्रंप की इस चेतावनी को गंभीरता से लिया है और अपने व्यापारिक नीति निर्माताओं के साथ चर्चा शुरू कर दी है। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि इस मुद्दे को हल किया जा सके।

भारत के लिए यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

2023 में भारत-अमेरिका व्यापार लगभग 191 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था।

अमेरिका भारत से बड़ी मात्रा में फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, स्टील, जेम्स और ज्वेलरी खरीदता है।

वहीं, भारत अमेरिका से कच्चा तेल, गैस, रक्षा उपकरण, उच्च तकनीकी उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स का बड़ा आयातक है।

यदि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर ऊंचे टैरिफ लगाता है, तो इससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान होगा, खासकर टेक्सटाइल, आईटी सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और फार्मा क्षेत्रों को।

क्या भारत टैरिफ घटाने को तैयार है?

भारत सरकार फिलहाल "वेट एंड वॉच" की रणनीति अपनाए हुए है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत अमेरिकी उत्पादों पर कुछ टैरिफ घटाने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका बदले में भारत को क्या रियायतें देता है।

भारत के पास तीन विकल्प हैं:

ट्रंप की मांग मानकर टैरिफ घटाना: इससे दोनों देशों के व्यापार संबंध मजबूत हो सकते हैं, लेकिन इससे भारतीय उद्योगों पर असर पड़ेगा।

अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई: यदि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाता है, तो भारत भी अमेरिका से आयात होने वाली वस्तुओं (जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑयल और मशीनरी) पर अतिरिक्त शुल्क लगा सकता है।

कूटनीतिक वार्ता के जरिए हल निकालना: भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता हो सकती है, जिसमें एक संतुलित समाधान निकाला जाए।

इसका आम लोगों पर क्या असर पड़ेगा?

महंगे उत्पाद: यदि अमेरिका और भारत दोनों एक-दूसरे पर टैरिफ बढ़ाते हैं, तो भारत में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, मोबाइल, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल और अन्य अमेरिकी ब्रांड्स के प्रोडक्ट महंगे हो सकते हैं।

नौकरी पर असर: आईटी, फार्मा और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में लाखों लोग काम करते हैं। यदि भारतीय निर्यात कम होता है, तो इन सेक्टरों में नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

महंगाई: अमेरिका से होने वाले कुछ आयात महंगे हो सकते हैं, जिससे महंगाई दर में बढ़ोतरी हो सकती है।

क्या यह चुनावी राजनीति का हिस्सा है?

यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ट्रंप का यह बयान केवल 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से पहले अपने मतदाताओं को लुभाने के लिए दिया गया है?

अमेरिका में "अमेरिका फर्स्ट" की नीति को आगे बढ़ाने के लिए ट्रंप पहले भी ऐसी घोषणाएं कर चुके हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रंप के इस बयान को पूरी तरह से गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि यदि वे राष्ट्रपति बनते हैं, तो उनकी नीतियों में बदलाव संभव है।

रंगों का त्योहार

विवेक शुक्ला

होली पर दरियांगज में रंगों से सराबोर हुए थे मुंशी प्रेमचंद

मुंशी प्रेमचंद 7 मार्च, 1936 दिल्ली पहुंचे। अगले दिन यानी 8 मार्च को होली थी। होली पर दिल्ली होली का रंग और मस्ती चढ़ी हुई थी। तब तक दिल्ली आज के मुकाबले तो बहुत छोटी थी। उस होली पर मुंशी प्रेमचंद दरियागंज में हिंदी के प्रख्यात लेखक जैनेन्द्र कुमार जैन के घर ठहरे हुए थे। उनके दिल्ली आने का मकसद हिंदुस्तानी सभा के गठन के मौके पर मौजूद रहना था। ये हिंदी-उर्दू लेखकों का साझा मंच था। ऐसे ही समय होली वालों की एक टोली जैनेंद्र जी के घर में अचानक घुस आई और बीसियों पिचकारियों की धार और गुलाल से उस दल ने मुंशी प्रेमचंद का ऐसा सम्मान किया कि एक बार तो प्रेमचंद चौंक गये। वे पल भर में सिर से पांव तक कई रंगों के पानी से भीग चुके थे। हड़बड़ाकर उठे, अपने को संभाला। बोले - अरे भाई जैनेन्द्र, हम तो मेहमान हैं। मुंशी प्रेमचंद होली वाले दिन शाम के वक्त करोल बाग में जामिया मिल्लिया इस्लामिया कैंपस पहुंचे। तब तक जामिया का कैंपस करोल बाग में हुआ करता था। प्रेमचंद जब शाम को हिन्दुस्तानी सभा के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे तो उनके चेहरे पर होली का रंग लगा हुआ था। दरअसल मुंशी प्रेमचंद का दिल्ली में आना-जाना लगा रहता था। प्रेमचंद दिल्ली आए तो यहां उनके मेजबान 'रिसाला जामिया' पत्रिका के संपादक अकील साहब थे। जामिया में प्रेमचंद से मिलने वालों की कतार लग गई। सब उनसे मिलना चाहते थे। बहरहाल, जामिया कैंपस में अकील साहब ने प्रेमचंद से गुजारिश की कि वे यहां रहते हुए एक कहानी लिखें। ये बातें दिन में हो रही थीं। प्रेमचंद ने अपने मित्र को निराश नहीं किया। उन्होंने उसी रात को अपनी अमर कहानी 'कफन' लिखी।

इस बीच, सारे देश की तरह होली के रंग दिल्ली की फिजाओं में बिखर चुके हैं। गुलाल और गुझिया की खुशबू को हर तरफ महसूस किया जा सकता है। आम-खास सब होली के मूड में हैं। यूं तो राजधानी में होली मिलन के अनेक आयोजन होते रहे हैं, इस बार भी होंगे। पर कुछ आयोजन यादगार रहे हैं। उदाहरण के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सरकारी आवास में आयोजित होने वाला होली मिलन विशेष महत्व रहता था। उसमें इंदिरा गांधी मेहमानों को गुझिया खिलवाती थीं। सारा होली मिलन काफी शालीन अंदाज में होता था। एक दौर में हरिवंश राय बच्चन और तेजी बच्चन सारे आयोजन को देखते थे। होली पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सरकारी आवास 1, सफदरजंग रोड के गेट भी सबके लिए खुल जाते थे। 1980 के बाद इंदिरा जी के होली मिलन पहले की तरह भव्य नहीं रहे गए थे, सुरक्षा कारणों के चलते। तब तक पंजाब में आतंकवाद ने अपनी जड़ें जमा ली थीं। अटल बिहारी वाजेयी के 111 साउथ एवेन्यू, 6 रायसीना रोड, फिर लोक कल्याणा मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के होली मिलन समारोह में अटल जी खुद सब अतिथियों को गुलाल लगाया करते थे। उनमें देश के मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भाग लेते थे। वे तब भाजपा के संगठन से जुड़े हुए थे। इस अवसर पर लजीज गुजिया और स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था रहती थी। अटल जी के घर पर होने वाले होली मिलन की सारी व्यवस्था उनके परम मित्र शिव कुमार किया करते थे। वे अटल जी के घर का स्थायी चेहरा थे। अटल जी के होली मिलन समारोहों के आयोजन में शामिल होने वालों को चांदनी चौक के घंटे वाले या गोल मार्केट के बंगला स्वीट हाउस की बालूशाही अवश्य उपलब्ध रहती थी। लाल कृष्ण आडवाणी के पृथ्वीराज रोड स्थित आवास पर भी होली बड़े प्रेम से खेली जाती रही है। बंगाली मार्केट की मशहूर मिठाई की दुकानों से गुझिया सबको खिलाई जाती थी।

लालकृष्ण आडवाणी के पंडारा पार्क सी-1/6 वाले फ्लैट की होली बहुत मशहूर हुआ करती थी। उसमें अटल बिहारी वाजेपयी और तमाम गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहते। होली खेलने के लिए आने वाले तमाम मित्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं का मुंह अवश्य मीठा कराया जाता। सभी अतिथियों के लिए भोजन की भी व्यवस्था रहती। आडवाणी जी की पत्नी कमला आडवाणी जी (अब स्मृति शेष) सुनिश्चित करतीं कि सब मेहमान भरपेट भोजन करके ही विदा हों। पर उनके निधन के बाद आडवाणी जी का होली मिलन सांकेतिक ही रह गया है। देश के राष्ट्रपति के रूप में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने सन 2003 में नगर निगम और राष्ट्रपति भवन परिसर के स्कूलों के लगभग 1200 बच्चों के साथ होली मनायी थी। डॉ. कलाम लगभग दो घंटे तक इन बच्चों के साथ रहे थे। उनसे पहले या बाद में शायद ही किसी राष्ट्रपति ने कलाम साहब की तरह होली बच्चों के साथ खेली हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लोकहित में त्याग करने वाले मानव ही बनते हैं संत

संकलित

दर्शन

सब कुछ क्षणिक होते हुए भी इस जगत की अनंत यात्र का कभी अंत नहीं होता। यह अनवरत गतिमान रहती है। वास्तव में त्याग की पवित्र भावना ही इसकी गतिशीलता और जीवंतता का कारण है। इसलिए जिन गुणों से मानव जीवन महान बनता है, त्याग उनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जैसे-शीतलता के बिना जल, दाहकता के बिना अग्नि, स्पर्श के बिना वायु का कोई अस्तित्व नहीं। उसी प्रकार त्याग के बिना मानव जीवन का कोई मूल्य नहीं, परंतु त्याग वही सार्थक है, जो परार्थ के लिए हो। स्वार्थ के लिए त्याग तो पशु-पक्षी भी करते हैं। इसीलिए निःस्वार्थ भाव से लोकहित में त्याग करने वाले मानव संत बन जाते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में त्याग को शांति का प्रदाता कहा गया है, परंतु इसके विलक्षण आनंद का अनुभव कोई विरला ही कर सकता है। वस्तुतः त्याग का जन्म उदारता से होता है, क्योंकि औदार्य भाव ही मनुष्य को स्वार्थ और मोह से मुक्तकर परार्थ के लिए प्रेरित करता है। इसलिए उदारता का भाव जिसमें जितना प्रबल होगा, त्याग की भावना भी उतनी ही प्रबल होगी। कल्पना कीजिए कि महर्षि दधीचि में उदारता का भाव कितना प्रबल रहा होगा, जिससे उन्होंने जीवित रहते ही लोक कल्याणार्थ शरीर त्याग करने का निर्णय लिया। कर्ण ने यह जानते हुए भी कि जीवन रक्षक कवच का दान करने से उसके प्राणों पर संकट निश्चित है, उसे सहर्ष काटकर याचक को समर्पित कर दिया। उदारता के बिना यह कदापि संभव नहीं था।

कद्दू का तीर्थ स्नान

संकलित

प्रेरणा

एक बार तीर्थ यात्रा पे जाने वाले लोगो का संघ, संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियो को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहाः मैं तो आप लोगो के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाइए और जहां-जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किए बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया। मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगो ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रियों को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियों को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आए हुए कद्दूकी सब्जी विशेष रूप से बनवाई गई थी। सभी यात्रियों ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है! यह सुन सभी यात्रियों को बोध हो गया कि हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आए हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

डिप्रेशन से प्रभावित होता बचपन

हाल ही में प्रधानमंत्री ने बोर्ड परीक्षा में बैठ रहे विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा की और उन्हें एग्जाम में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर किसी प्रकार का परीक्षा का दवाब न बनाने की सलाह दी और बच्चों में तेजी से बढ़ रहे मानसिक अवसाद और डिप्रेशन के प्रति चिंता व्यक्त की। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक समस्याएं बहुत तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रही हैं। इसके घातक प्रभाव हर वर्ग हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। मानसिक अवसाद का विस्तार इतना तीव्र है कि इससे न तो कोई देश बचा है और न कोई राज्य। यह एक कड़वा सच है कि आज हर गांव, गली-मोहल्ले में डिप्रेशन के मरीज मिल जाते हैं।

-जयप्रकाश शर्मा, सरायपाली

ट्रेंड

गैरकानूनी संगठन

'जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन' और 'आवामी एक्शन कमेटी' को यूएपीए के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है। इन संगठनों को लोगों को भड़काकर कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने और भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करने वाला पाया गया।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

ऐतिहासिक दांडी मार्च

95 वर्ष पूर्व, महात्मा गाँधी ने ऐतिहासिक दांडी मार्च की शुरुआत की और एक मुट्ठी नमक से अंग्रेजी हुकूमत की नींव को हिला दिया। बापू की सीख और सत्याग्रह आज भी उतने प्रासंगिक हैं जितने 1930 में थे।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

भू-माफियाओं की हिंसा

उप्र में जब एक सेवानिवृत्त उच्च सैन्याधिकारी भू-माफियाओं की हिंसा का शिकार हो रहे हैं, तो आम आदमी की हालत कितनी बुरी होगी कहने की आवश्यकता नहीं है। देखना ये है कि हिंसा की इस घटना के, जनता के बीच उजागर हो जाने के बाद भाजपा सरकार किसका साथ देती है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

खनिज सौदा

चीन दुनिया की 70% दुर्लभ पृथ्वी आपूर्ति को नियंत्रित करता है। इसी कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने की अपनी रणनीति के लिए यूक्रेन के साथ खनिज सौदे को केंद्रीय बना रहे हैं।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

हूती ने इजराइली जहाजों पर हमले की धमकी दी

यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार सुबह चेतावनी दी कि गाजा पट्टी में भेजी जाने वाली सहायता सामग्री को रोकने की वजह से पश्चिम एशिया के जलक्षेत्र से गुजरने वाले इजराइली जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। विद्रोहियों ने गाजा पट्टी को सहायता सामग्री भेजने पर लगाई गई रोक को हटाने के लिए इजराइल को चार दिन का वक्त दिया था। इसके बाद हूती के मानवीय संचालन समन्वय केंद्र ने यह बयान जारी कर इजराइली पोतों को निशाना बनाने की धमकी दी है। बयान में कहा गया है, 'हम आशा करते हैं कि यह समझा जाएगा कि (हूती सेना) द्वारा की गई कार्रवाई ... उत्पीड़ित फलस्तीनी लोगों के प्रति धार्मिक, मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी की गहरी भावना से उपजी है और इसका उद्देश्य इजराइली अतिक्रमणकारी इकाई पर गाजा पट्टी की क्रॉसिंग को फिर से खोलने और खाद्य एवं चिकित्सा आपूर्ति सहित सहायता सामग्री के प्रवेश की अनुमति देने के लिए दबाव डालना है।' इसने कहा कि जहाजों को लाल सागर, अदन की खाड़ी, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य और अरब सागर में निशाना बनाया जाएगा।

ऑफ बीट

झपकी से याददाश्त में हो सकता है सुधार

कुछ लोग इसे विलासिता भोग के रूप में देखते हैं जबकि अन्य इसे मुस्तैद तथा तंदरुस्त बने रहने के तरीके के रूप में देखते हैं। लेकिन झपकी के फायदे के साथ-साथ नुकसान भी हो सकते हैं। वैसे मैं झपकी लेने की जटिल प्रवृत्ति के साथ साथ इस बात से अवगत हूं कि क्यों दोपहर के वक्त 20 से 30 मिनट की झपकी असंख्य तरीकों से फायदेमंद हो सकती है। अनुसंधान से पता चलता है कि झपकी के कई फायदे हैं। छोटी-सी झपकी से मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त के साथ ही मुस्तैदी, ध्यान और प्रतिक्रिया देने के समय में भी सुधार आता है। इसका संबंध उत्पादकता और रचनात्मकता से भी है। चूंकि झपकी से रचनात्मक सोच में सुधार आता दिखायी देता है इसलिए कुछ कंपनियों ने अपने कार्य स्थल पर झपकी लेने के लिए कमरे बनाकर इसका फायदा उठाने का प्रयास किया है। ऐसा कहा जाता है कि मस्तिष्क झपकी के वक्त का इस्तेमाल दिनभर में एकत्रित सूचना को संसाधित करने के लिए करता है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि समस्याओं को हल करने की क्षमता बढ़ती है। एक छोटे-से अध्ययन से यह पता चलता है कि जो लोग झपकी लेते हैं वे कम चिड़चिड़े होते हैं।

रॉयल पत्रिका

समर्पण संस्था का 15वाँ विशाल रक्तदान शिविर

-"रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्त्व" विषयक सेमिनार, 16 मार्च 2025 को।

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था की ओर से रविवार, 16 मार्च को प्रातः 9:30 से 2:00 बजे तक 15वाँ विशाल रक्तदान शिविर व "रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्त्व" विषयक सेमिनार प्रताप नगर सांगानेर, सेक्टर -11 स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित किये जायेंगे। रक्तदान शिविर के लिए कुल 28 रक्तदाता प्रेरक नियुक्त किये गये हैं। सभी प्रेरको को रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित करने की सेवा दी गई है। शिविर में सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र भेंट किये जायेंगे।

शिविर के साथ ही एक सेमिनार का आयोजन भी किया जायेगा जिसका विषय "रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्त्व" रखा गया है। विषय पर वक्ता व अतिथि अपने विचार व्यक्त करेंगे।

शिविर व सेमिनारमें मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश व ओबीसी आयोग के पूर्व चेयरमेन न्यायमूर्ति श्रीमान जितेन्द्र राय गोयल होंगे व अध्यक्षता सेवानिवृत्त आई.ए.एस बी. एल. नवल करेंगें। अतिविशिष्ट अतिथि आई.ए.एस डॉ. ओम प्रकाश बैरवा, व निवाई के पूर्व विधायक प्रशान्त बैरवा होंगे। शिविर मे नेत्रदान व देहदान का भी काउन्टर लगाया जायेगा।

शिविर व सेमिनार में समाज के अनेक गणमान्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विशिष्ट अतिथि व विशेष आमंत्रित अतिथि और वी.आई.पी. अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

रत की जनवादी नौजवान सभा, राजस्थान का शहीद स्मारक, जयपुर पर धरना और विरोध प्रदर्शन

- सरकारी भर्ती में आरक्षण विसंगति
- बेरोजगारी भत्ता और युवा मित्रों की बहाली की मांग की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत की जनवादी नौजवान सभा के प्रदेश महासचिव किशोर मांडोता ने प्रेस बयान जारी करते हुये बताया कि मंगलवार को DYFI राज्य कमेटी के आह्वान पर जयपुर के शहीद स्मारक पर पटवारी भर्ती व चतुर्थ क्षेणी भर्ती में SC, ST और ओबीसी के आरक्षण से छेड़छाड़ , बेरोज़गारी भत्ते को बिना शर्त समय पर देने और युवा मित्रों को हटाए जाने के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन में राज्य भर से सैंकड़ों की संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया । इस अवसर धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान केन्द्र और राज्य की भाजपा-आरएसएस सरकार जान बूझकर संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ कर समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के युवाओं के साथ अन्याय कर रही है। एक तरफ़ हर क्षेत्र में निजीकरण संविदा पर नियुक्तियां करके आरक्षण पर अप्रत्यक्ष प्रहार किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा सरकारी नियुक्तियों में आरक्षित वर्गों के पदो मे कटौती कर रही है।

राज्य के नौजवान इस अन्याय को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही करेंगे।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में पिछले कई महीनों से बेरोजगारी भत्ते को रोककर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हजारों नौजवानों के साथ विश्वासघात करते हुये उनके भविष्य के खिलवाड़ करने का काम किया है।

भारत की जनवादी नौजवान सभा की राज्य कमेटी ने मांग की है कि प्रदेश के सभी बेरोजगारों को बिना किसी शर्त और भेदभाव के समय पर बेरोजगारी भत्ता मिलना चाहिए।

इसके अलावा पिछली सरकार द्वारा नियुक्त किए गए युवा मित्रों को नौकरी पर वापस बहाल किया जाये अथवा उनको अटल प्रेरक भर्ती में समायोजित किया जाए।

राज्य के नौजवानों के इन तमाम मुद्दों को लेकर नौजवान सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में उनके OSD को ज्ञापन दिया और सभी मांगों को शीघ्र पूरी करने की मांग की।

आज के धरना-प्रदर्शन के अवसर पर आयोजित आमसभा को भारत की जनवादी नौजवान सभा के प्रदेशाध्यक्ष सौरभ जानूं, प्रदेश महासचिव किशोर मांडोता, पूर्व प्रदेश महासचिव जगजीत सिंह जग्गी, राज्य कोषाध्यक्ष रितांश आजाद,, राज्य उपाध्यक्ष गोपाल सैनी और हेमलता शर्मा, राज्य कमेटी सदस्य सुनीता सैनी और पंकज गुर्जर, नौजवान सभा के हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष देवीलाल धौलीपाल, पंकज डोगीवाल, राजेश बिजारणियां, SFI के जयपुर जिलाध्यक्ष कपिल राव, माकपा राज्य सचिव किशन पारीक आदि ने सम्बोधित किया। आज के धरना-प्रदर्शन का समापन करते हुये प्रदेशाध्यक्ष सौरभ जानूं ने राजस्थान की भजन लाल सरकार को चेतावनी दी कि यदि सरकार ने युवाओं की मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया तो भारत की जनवादी नौजवान सभा प्रदेश के नौजवानों को साथ लेकर प्रदेश भर में जुझारू आंदोलन करेगी।

पशुपालन विभाग द्वारा उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कहा कि आज की परिस्थिति में जूनोटिक रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य की जोखिम की स्थिति को दर्शाते हैं, इसलिए इसकी पहचान करना बहुत आवश्यक है। डॉ सेजरा आज पशुपालन विभाग द्वारा राजस्थान राज्य पशुधन प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, जामडोली में एस्केड योजना के तहत उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

डॉ सेजरा ने कहा कि इन रोगों के बारे में आम जन को भी जागरूक करना आवश्यक है। यह जागरूकता रोग की शुरूआती पहचान, रोकथाम और नियंत्रण में सहायक है, जिससे अंततः सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है। जूनोटिक और गैर जूनोटिक रोगों के बीच में अंतर के बारे में जनता को शिक्षित करने से अनावश्यक भय को दूर करने में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि उभरते जूनोटिक रोगों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वन हेल्थ महत्वपूर्ण है। वन हेल्थ का उद्देश्य मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, मिट्टी, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र जैसे विभिन्न विषयों के ज्ञान को कई स्तरों पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है जो सभी प्रजातियों के स्वास्थ्य में सुधार, रक्षा और बचाव के लिए जरूरी है।

उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी जानकारियों को रिफ्रेश करना जरूरी होता है। हमारे सामने किस तरह की नई बीमारियां आ रही हैं किस तरह की चुनौतियां आ रही हैं और उनसे निपटने के लिए हमें क्या करना चाहिए इन सब मुद्दों पर बात करना आवश्यक है।

फील्ड में काम कर रहे डॉक्टर्स भी अपनी बात साझा करें अपनी समस्याएं बताएं जिससे अच्छी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने डॉक्टर्स का आह्वान किया कि आप जो भी जानकारी यहां से लेकर जाएं उसे अपने तक ही सीमित न रखें बल्कि लोगों तक पहुचाएं। उन्होंने प्रतिभागियों को कहा कि अपने प्रोफेशन के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करते हुए हमें अधिक से अधिक पशुओं और पशुपालकों के हित में काम करना है।

इस अवसर पर विभाग के वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य ने प्रतिभागियों से अपील की कि हमें अपने सभी अभावों और कमियों के बीच से रास्ता निकालते हुए सामने आने वाली चुनौतियों से निपटना है और अपने काम के साथ साथ विभाग को भी उन्नति की ओर लेकर जाना है।

इस एक दिवसीय सेमिनार में पशुओं के बीच उभरती बीमारियां, वन हेल्थ : समय की जरूरत, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एवियन इन्फ्लूएंजा की रोकथाम आदि विषयों पर विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सेमिनार का संचालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ हेमंत पंत ने किया। सेमिनार के उद्देश्य पर संयुक्त निदेशक डॉ तपेश माथुर ने प्रकाश डाला। सेमिनार में विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ दिनेश राणा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और डॉक्टर्स उपस्थित थे।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता से कोई समझौता नही- जोराराम

-मांग के आधार पर डेयरी बूथ खोले जाएं

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य की सहकारी डेयरियों में उत्पादित सरस दूध की गुणवत्ता ही इसकी पहचान है और इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री कुमावत मंगलवार को आर एल डी बी सभागार में राज्य की सहकारी डेयरियों के निर्वाचित अध्यक्ष और एम डी के साथ पिछली बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा और नई बजट घोषणा की क्रियान्विति की तैयारी के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

कुमावत ने पिछली बजट घोषणा के लंबित कामों को प्राथमिकता से पूरा करते हुए नई बजट घोषणा के कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में आम जन को मिलावट रहित दूध और दूध से बने उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और राज्य भर की सहकारी डेयरियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करना पाप का काम है। जनता सरस डेयरी के दूध पर विश्वास करती है हमें उस विश्वास को कायम रखते हुए उस पर खरा उतरना है। कुमावत ने कठोर शब्दों में कहा कि सरस के उत्पादों में किसी भी तरह की मिलावट के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा ओर मिलावटखोरों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरस ब्रांड को न केवल राजस्थान बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार और डेयरी संघ को मिलकर संयुक्त प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां जहां डेयरी बूथ खोलने की मांग है वहां हमें सक्रिय होकर बूथ खोलने के प्रयास करने चाहिए। बूथ खोलना एक नियमित प्रक्रिया है। इसके लिए बजट घोषणा पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। कुमावत ने कहा कि जिला दुग्ध संघों के निर्वाचित पदाधिकारीगण तथा डेयरी अधिकारियों में बेहतर समन्वय स्थापित किए जाने के प्रयास होने चाहिए ताकि इसका लाभ आम दुग्ध उत्पादकों को मिल सके। बैठक में जिला दुग्ध संघों के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की अपील की जिससे योजनाओं को धरातल पर लाने उन्हें सुविधा और सहयोग मिल सके।

बैठक में शासन सचिव पशुपालन डेयरी एवं गोपालन डॉ. समित शर्मा ने कहा कि राज्य में डेयरी की अपार संभावनाएं हैं और इन संभावनाओं को तलाशने में सहकारी डेयरियों के निर्वाचित अध्यक्ष गणों की महती भूमिका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार दुग्ध उत्पादकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेगी और मिलावट पर रोक लगाने के लिए जिला कलक्टर्स को भी पत्र लिखा जाएगा।

आर सी डी एफ की एम डी श्रुति भारद्वाज ने डेयरी संघ को सक्रिय होकर मिलावट करने वालों के खिलाफ शिकायत करने की सलाह देते हुए कहा कि शिकयत सही पाए जाने पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रदेशभर से आए जिला दुग्ध संघों से आए जिला दुग्ध संघों के निर्वाचित अध्यक्षों ने राज्य में डेयरी विकास के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए और व्यावहारिक समस्याओं की ओर मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। पशुपालन मंत्री ने दुग्ध उत्पादकों को समस्याओं के अतिशीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

परिचर्चा में निर्वाचित अध्यक्षगण के अलावा डेयरी फेडरेशन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पात्र व्यक्ति को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो- राज्यपाल

-राज्यपाल ने दौसा में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसे सभी स्तरों पर सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल बुधवार को दौसा कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जिले में कुपोषित बच्चों की जानकारी लेते हुए हर बालक-बालिका को पूर्ण पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि गांवों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और कोई भी आवास शौचालय रहित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से गांवों में अच्छे खेल मैदानों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। राजीविका गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की ओर से बनाए जाने वाले उत्पादों और उनसे होने वाली वार्षिक आय की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने इन उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग कर बाजार मुहैया कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला स्तर पर इन समूहों की आय के समुचित आंकड़े संधारित करते हुए हर वर्ष लक्षित वृद्धि हासिल कर महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाएं।

राज्यपाल ने जिले में सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कोई भी गांव और ढाणी सड़क से वंचित नहीं रहें। हर ढाणी तक मनरेगा के माध्यम से ग्रेवल सड़क के माध्यम से सुगम रास्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने हाइवे की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए समय पर मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिले में पेयजल की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की मंशा है कि देश में पीने के पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो और आगामी 25-30 साल तक कहीं भी पेयजल की परेशानी नहीं आए। इसके लिए ही हर घर नल योजना शुरु कर घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इसरदा पेयजल परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और निश्चित समय सीमा में इसका काम पूर्ण कर लोगों को पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जिले के कृषि परिदृश्य की जानकारी लेते हुए बूंद-बूंद सिंचाई एवं मिनी स्प्रिंकलर को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की अनुदान राशि समय पर काश्तकार को मिल जानी चाहिए। उन्होंने जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि काश्तकार को मंडी में जिंस तुलाई में कोई दिक्कत नहीं हो और फसल बेचान की राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। उन्होंने किसानों के बीच सिंचाई के लिए सोलर पंप सेट को प्रोत्साहित करने के साथ लम्बित कृषि बिजली कनेक्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा कर काश्तकारों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मातृ वंदन योजना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, एक बार फिर आवेदन शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआइएस) के लिए एक बार फिर आवेदन शुरू किए गए है। पायलट राउंड-2 शुरू हो चुका है और आवेदन करने की अंतिम तिथि आगामी 31 मार्च तक बढ़ा दी गई है। इस राउंड-2 में प्रत्येक आवेदक अधिकतम तीन इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकता है। कोई भी उम्मीदवार भारत में कहीं भी किसी भी इंटर्नशिप के लिए आवेदन करने के लिए स्वतंत्र है। यह योजना 21 से 24 वर्ष की आयु के उन युवाओं के लिए है, जो वर्तमान में किसी भी पूर्णकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम या रोजगार में नामांकित नहीं हैं। योजना के तहत भारत की शीर्ष कंपनियों में 12 महीने की सशुल्क इंटर्नशिप प्रदान की जाती है। पहले चरण में 6 लाख से अधिक आवेदनों के बाद दूसरे चरण में भारत के 730 से अधिक जिलों में शीर्ष कंपनियों में एक लाख से भी अधिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। योग्य युवा https//pmintern-ship. mca. gov. in/ आवेदन कर सकते हैं। अकेले राजस्थान में ही 4,839 इंटर्नशिप अवसर हैं, जो देश की शीर्ष कंपनियों की ओर से अलग-अलग जिलों में हैं।

जयपुर संभाग टीम ने ओवर ऑल चैम्पियनशिप विजेता टीम का खिताब जीता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गृह रक्षा विभाग में राज्य स्तरीय एथलेटिक्स मीट—2025 में जयपुर संभाग की टीम ने 16 स्वर्ण, 03 सिल्वर एवं 03 कांस्य पदक प्राप्त कर ओवर ऑल चैम्पियनशिप विजेता टीम का खिताब जीता। टीम मैनेजर चन्द्रपाल सिंह, कम्पनी कमाण्डर व एथलेटिक्स टीम कप्तान सत्यनारायण सिंह प्लाटून कमाण्डर के नेतृत्व में 20 सदस्यों की टीम ने प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया ।

मंगलवार को जयपुर संभाग के वरिष्ठ कमाण्डेन्ट नवनीत जोशी द्वारा गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर परिसर में जयपुर संभाग से राज्यस्तरीय टीम में भाग लेने वाले स्वयं सेवकों के सम्मान में टी पार्टी एवं सामूहिक फोटोसेशन का आयोजन कर राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर टीम का सम्मान किया गया और उनकी हौसला अफजाई की गई।

कमाण्डेन्ट नवनीत जोशी ने बताया कि राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह रक्षा विभाग में राज्य स्तरीय एथलेटिक्स मीट—2025 का आयोजन केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, फतेहपुरा, जयपुर में आयोजित किया गया था। इसमें राज्य के सभी जिलों से चयनित प्रतिभागियों ने संभाग स्तरीय टीमों के रूप में भाग लिया।

गर्भवती महिलाओं को पौष्टिकता के अनुसार दिया जाए सुपोषण न्यूट्री किट- दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी की उपस्थिति में मंगलवार को सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के सम्बंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तीय वर्ष 225-26 की बजट घोषणा के अनुसार गर्भवती महिलाओं को पांचवे महीने से न्यूट्री किट उपलब्ध करवाये जाने हेतु "सुपोषण न्यूट्री किट योजना" को साकार रूप दिए जाने के लिए अधिकारियों से बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भावस्था के दौरान पौष्टिकता का संवर्धन करने वाले भोज्य पदार्थों को "सुपोषण न्यूट्री किट" में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रतिबद्धता से गर्भवती महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उन्हें पोषण युक्त खान-पान किट उपलब्ध करवाने हेतु कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में "मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना" के तहत आंगनबाडी केंद्रों पर 3 से 6 साल तक के बच्चों के लिए सप्ताह में तीन दिन के स्थान पर अब 1 अप्रैल 2025 से पांच दिन दूध उपलब्ध करवाये जाना शुरू करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर, वित्तीय सलाहकार पदमचंद, अतिरिक्त निदेशक अनुपमा टेलर, उपनिदेशक डॉ. मंजू यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 ध्वनिमत से पारित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा ने बुधवार को राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विधेयक को सदन में प्रस्तुत किया, जिसके पश्चात सदन ने इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से कर संग्रहण व्यवस्था में निरंतरता आएगी तथा राजस्व वृद्धि के साथ-साथ करदाताओं को भी राहत मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित के कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से संपादित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2017 में वन नेशन, वन टैक्स की अवधारणा के तहत जीएसटी अधिनियम लागू किया गया था, जो आज़ादी के बाद "कर प्रणाली" में सबसे बड़ा सुधार है। उन्होंने कहा कि कर संग्रहण की यह व्यवस्था वर्ष से निरंतर जारी है और राजस्थान इसमें अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है।

उन्होंने बताया कि करों में एकरूपता बनाए रखने के लिए केंद्रीय वित्त अधिनियम-2024 के अनुरूप राजस्थान माल और सेवा कर अधिनियम-2017 में संशोधन आवश्यक था। इस उद्देश्य से राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 लाया गया है।

विधेयक के महत्वपूर्ण प्रावधान

- करदाताओं को राहत प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के लिए एमनेस्टी लाकर धारा 73 के तहत जारी डिमांड नोटिस के संबंध में ब्याज और जुर्माना माफ करने का प्रावधान किया गया है।
- करदाताओं को अपील के मामलों में राहत प्रदान करते हुए अपील के लिए आवश्यक जमा राशि की सीमा को 25 करोड़ से घटाकर 20 करोड़ किया गया है साथ ही अपील करने की समय-सीमा भी बढ़ाई गई है।
- करदाताओं को राहत प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2020-21 के लिए आईटीसी का दावा करने की समय-सीमा बढ़ाई गई है।
- अपंजीकृत करदाताओं से ख़रीद करने वाले व्यक्तियों को इनवॉइस जारी करने और ITC का दावा करने के लिए समय प्रदान किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी माननीय सदस्यों से प्राप्त सुझावों की समीक्षा कर उन्हें आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में चर्चा हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने विधेयक को सदन में प्रस्तुत किया। सदन में विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सर्वाधिक घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने वाला गाँव होगा

-'सोलर आदर्श गाँव', 1 करोड़ रुपए के होंगे विकास कार्य

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। बजट घोषणाओं की क्रियान्विति एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर काना राम ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि 5,000 से अधिक आबादी वाले 35 गाँवों में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पुनः कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ। इन गाँवों में 31 मार्च तक सर्वाधिक घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने वाले गाँव को 'सोलर आदर्श गाँव' घोषित किया जाएगा और उस गाँव में 1 करोड़ रुपए के सौर ऊर्जा से संबंधित विकास कार्य होंगे।

बजट घोषणाओं में एग्री क्लिनिक की स्थापना को लेकर अधिकारियों ने बताया कि अगले सप्ताह कार्य शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही, पिछले दोनों बजटों में जिले से संबंधित की गई घोषणाओं की समीक्षा की गई। भादरा में निर्मित हो रहे खेल स्टेडियम के वित्तीय प्रस्ताव को आज ही भेजने के निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चल रहे 'गिव अप' अभियान के संदर्भ में बताया कि जिले के 8,500 से अधिक राशन कार्डधारकों ने स्वेच्छा से अपना नाम हटवाया है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। निर्धारित समय-सीमा में स्वेच्छा से नाम नहीं हटाने वालों से 27 रुपए प्रति किलोग्राम के अनुसार वसूली की जाएगी। इसके साथ ही, जिला कलेक्टर ने कहा कि चयनित 121 गाँवों में खेल मैदानों की सुविधाओं का आँकलन करवाया जाए।

नगर निकायों को त्योहारों को ध्यान में रखते हुए निराश्रित पशुओं पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही, पेयजल, बिजली, फायर ब्रिगेड, कानून एवं न्याय व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके अतिरिक्त, फार्मर रजिस्ट्री अभियान, ई-फाइल, संपर्क पोर्टल, एवं कर्मयोगी पोर्टल को लेकर भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 30 मार्च को राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर तैयारियाँ अभी से शुरू कर दी जाएँ। 'हरियालो राजस्थान' अभियान के लक्ष्यों पर कार्य प्रारंभ किया जाए। बैठक में जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनिल जान्दू एसकेडी में सम्मानित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। खुशाल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़ (एसकेडी यूनिवर्सिटी) में आयोजित तीन दिवसीय कृषि महोत्सव, उन्नत कृषि तकनीकी मेले का यूनिवर्सिटी परिसर में धूमधाम से समापन समारोह हुआ। कृषि महोत्सव मेले में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिला प्रशासन द्वारा वरिष्ठ पत्रकार अनिल जान्द को सम्मानित किया गया।

जिला कलेक्टर काना राम, जिला प्रमुख कविता मेघवाल, एसकेडी यूनिवर्सिटी के निदेशक बाबूलाल जुनेजा, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, एडीएम और नगर परिषद प्रशासक उम्मेदी लाल मीणा, भाजपा नेता अमित सहू, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक, भाजपा महिला मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष गुलाब सिंवर, प्रतिष्ठित व्यवसायी और भाजपा नेता देवेंद्र अग्रवाल, एसकेडी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन दिनेश जुनेजा, विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रामावतार मीना, सेवानिवृत आईजी गिरीश चावला, रानी गोठवाल, आत्मा उपनिदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र डूडी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

राजसखी मेले का भव्य समापन: महिलाओं की आत्मनिर्भरता को मिला नया आयाम

-स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने बताए कि कैसे बनी आत्मनिर्भर

हनुमानगढ़(रॉयल पत्रिका)। जिले में एसकेडी यूनिवर्सिटी में 8 से 11 मार्च तक आयोजित राजसखी मेले का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर जिला कलेक्टर काना राम ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में राजीविका की भूमिका की सराहना की।

जिला कलेक्टर ने अपने संबोधन में राजीविका से जुड़ाव का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि बारां जिले में आईएएस प्रशिक्षु रहते हुए उन्होंने राजीविका में डीपीएम (डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर) का कार्यभार संभाला था, जिससे उन्हें महिला स्वयं सहायता समूहों के कार्यों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि जिले में राजीविका के माध्यम से निर्मित उत्पादों को स्थानीय ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी। साथ ही, उन्होंने महिलाओं को अपने उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग और मार्केटिंग पर ध्यान देने की सलाह दी ताकि वे बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकें। जिला कलेक्टर ने राजसखी पोर्टल का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक बेहतर ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म है, जिससे महिलाओं को मेले में स्टॉल लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और वे अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेच सकेंगी।

महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां:-

1.बीघा दादा स्वयं सहायता समूह, तेजरासर

समूह की सदस्य जन्नत ने बताया कि वह 2018 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थीं। पहले उन्हें समाज से ताने सुनने पड़े, लेकिन आज वही लोग उनके साथ काम करना चाहते हैं। सिलाई से शुरुआत करने के बाद उन्होंने बाजरे के बिस्किट जैसे नए उत्पाद बनाए और इस साल 2 लाख रुपए से अधिक की बचत की।

2.जीण माता स्वयं सहायता समूह, कुचामन, नागौर

समूह की सदस्य सुमन ने बताया कि 2016 में झालावाड़ से आई सात बहनों ने यह समूह बनाया था। शुरुआत में एलोवेरा उत्पाद बनाए और पहली बार उदयपुर मेले में भाग लिया, जहां उन्होंने 20,000 रुपए की कमाई की। अब उनके उत्पादों की सीरीज बढ़कर 7 से अधिक हो गई है और इस मेले में उन्होंने 55,000 रुपए की बिक्री की।

3.श्रीराम स्वयं सहायता समूह, संगरिया

समूह की सदस्य ताराबंती ने 2017 में समूह से जुड़कर ब्यूटी पार्लर का निशुल्क कोर्स किया और आज 30 से 35 हजार रुपए प्रति माह की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूह से 2 लाख का लोन लेकर चप्पल बनाने की मशीन खरीदी और पहली बार किसी मेले में स्टॉल लगाकर 30,000 रुपए की कमाई की।

उत्साहवर्धन के लिए आकर्षक उपहार

मेले में खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में मीनल को एलईडी टीवी मिला। द्वितीय पुरस्कार के रूप में रमा को वॉशिंग मशीन, तृतीय पुरस्कार के रूप में मिक्सर जूसर का वितरण किया गया।

समापन समारोह में जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई, बाबूलाल जुनेजा, दिनेश जुनेजा, एसीईओ सुनील कुमार छाबड़ा, हकीकत राय चूघ, गिरीश, राम अवतार मीणा, जगतार सिंह, नितिन चुघ, डीपीएम वैभव अरोड़ा और नीतू अरोड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रामक व संवेदनशील खबरों पर रखें निगरानी - जिला कलक्टर

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार गैर चुनाव अवधि में भी जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग व क्रियान्वयन समिति का सतत रूप से सक्रिय रहना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित संवेदनशील न्यूज एवं फेक न्यूज (इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं सोशल मीडिया) की जिला स्तर पर मॉनिटरिंग करने के लिए समिति के सदस्यों को निर्देशित किया।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सदस्यों को प्रभावी रूप से गैर चुनाव अवधि में फेक न्यूज की मॉनिटरिंग कर भारत निर्वाचन आयोग की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पालना करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर दिवांशु शर्मा, उप जिला मजिस्ट्रेट, सूचना एवं प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा एवं समिति सदस्य सहित निर्वाचन कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कौशल कार्यशाला में एआई की महता, उपयोग और जागरुकता का दिया प्रशिक्षण

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान में चल रही कौशल कार्यशाला एआई यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मस्तिष्क) के उपयोग बारे में प्रकाश डाला गया। शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य स्नेहा शर्मा ने छात्राओं को बताया कि आज के समय में छात्र-छात्राओं के लिए एआई विज्ञान को अपनाना बहुत आवश्यक है। देश-विदेश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि और अन्य क्षेत्रों में कृत्रिम मस्तिष्क का उपयोग किया जा सकता हैं। स्नेहा शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उससे संबंधित आवश्यक उपकरणों के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि एआई टूल्स का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस विषय के बारे में जागरूक करना है, ताकि वे जान सकें कि इस विज्ञान का उपयोग कैसे और कहाँ-कहाँ किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एआई का उपयोग शोध, लेखनी और व्याकरण संबंधी अशुद्धियों को सुधारने में किया जा सकता है। इसके अलावा एआई का उपयोग लर्निंग प्लेटफॉर्म, शिक्षक प्रशिक्षण और कोडिंग व प्रोग्रामिंग में भी किया जा सकता है। महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम के दौरान, छात्राओं को एआई के उपयोग के माध्यम से अपनी सुरक्षा और उत्थान के लिए कार्य करने वाले अन्य उपकरणों के बारे में सुझाव दिए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई के उपयोग के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने भविष्य के लिए तैयार करना था। स्नेहा शर्मा ने बताया कि सशक्तिकरण समाज में एक महत्वपूर्ण बिंदु है, खासकर जब इसका उपयोग विज्ञान और ज्ञान के आधार पर स्त्री के विकास के लिए किया जाता है। कार्यक्रम में विभाग के सभी सहायक आचार्य, आचार्य और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

फिट इंडिया मिशन के तहत साप्ताहिक कार्यक्रम में यौगिक क्रियाओं एवं प्रेक्षाध्यान का किया अभ्यास

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं के जैविभा विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मिशन के तहत प्रेक्षाध्यान व यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करते हुए छात्राएं। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं यूजीसी के निर्देशानुसार 'फिट इंडिया मिशन' के तहत महिलाओं की शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के विकास के संदर्भ में आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम में जैन विश्व भारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम-समन्वयक डॉ. प्रगति भटनागर ने बताया कि इस एक सप्ताह के कार्यक्रम का शुभरम्भ प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी के निर्देशन में किया गया। इसके तहत योग विभाग की सहायक आचार्या डॉ. विनोद कस्वां ने छात्राओं को योग के अभ्यास का प्रशिक्षण दिया। प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने छात्राओं को प्रेक्षाध्यान की उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी और प्रेक्षाध्यान का अभ्यास करवाया। सहायक आचार्या स्नेहलता शर्मा ने अच्छे स्वास्थ्य की उपयोगिता बताई और छात्राओं को स्वस्थ रहने के सम्बंध में कुछ शारीरिक क्रियाकलापों की जानकारी दी। सप्ताह पर चले इस प्रशिक्षण में निरन्तर प्रतिदिन यौगिक क्रियाओं तथा प्रेक्षाध्यान का अभ्यास करवाया गया। समस्त कार्यक्रमों में समस्त छात्राओं के साथ संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला सम्पन्न

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो बीएल जैन के निर्देशन में विद्यार्थियों को उनके कौशल विकास और विभिन्न कौशलों के बारे में अधिकतम जानकारी देने और उन्हें संचार कौशल, समस्या-समाधान कौशल, और नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए विभिन्न तकनीकों और रणनीतियों के बारे में बताने के लिए आयोजित की गई पांच दिवसीय कौशल कार्यशाला के अंतिम दिवस विद्यार्थियों ने अपने अनुभवों और सीखी गई जानकारियों के बारे में चर्चा की तथा बताया कि कार्यशाला से उनके कौशल विकास में क्या मदद मिल सकी। इस अवसर पर उन्हें अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन नें ए.आइ. टूल्स जैसे गामा, चैट जीपीटी, मेटा आदि के बारे में बताया और साइबर सेक्यूरिटी से भी अवगत करवाया। उपकुलसचिव अभिनव सक्सेना ने क विद्यार्थियों को अपने प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट पर कार्य करने और चीजों को काम में लेने की तकनीक के बारे में बताया। सहायक आचार्य स्नेहा शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स के बारे में अपने कौशल विकास में इसका उपयोग करने के बारे में जानकारी दी। विभाग के सहायक दीपक माथुर ने छात्राध्यापिकाओं को नेटवर्किंग, ईमेल आदि के उपयोग द्वारा कौशल विकास के तरीके बताए। उन्होंने वेबसाइट आदि पर अपना डेटा अपलोड करने और जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तथ्यों और क्षमताओं के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों का चालान कर वसूला जुर्माना

पाली, (रॉयल पत्रिका)। विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के मौके पर चिकित्सा विभाग की टीमों ने बुधवार को पाली शहर सहित जिले भर में कार्यवाही कर सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए चालान काटकर जुर्माना वसूला गया।

सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि बुधवार को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जिला तम्बाकु नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों द्वारा पाली शहर सहित जिले भर में कोटपा अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करते हुये पाये गये लोगों का चालान किया गया तथा उनसे जुर्माना भी वसूल किया गया। इसी प्रकार कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने वाले तम्बाकू विक्रेताओं का भी चालान कर उनसे भी जुर्माना वसूल किया गया। बुधवार को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य केसी सैनी एवं एनटीसीपी के जिला सलाहकार डॉ.अंकित माथुर के दल ने पाली शहर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करते पाये गये लोगों एवं दुकानदारों का चालान किया तथा जुर्माना भी वसूला।

उन्होंने बताया कि बुधवार को पाली शहर के बांगड़ चिकित्सालय के आसपास, अंबेडकर चौराहा, पांच मौका पुलिया, रेलवे स्टेशन आदि क्षेत्रों में कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने वाले लोगों के चालान बनाकर उनसे जुर्माना वसूल किया, जिसे राजकोष में जमा करवाया गया है। कार्यवाही के दौरान कोटपा दल के सदस्यों ने उल्लंघन करने वालों एवं आमजन को तम्बाकु से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर तम्बाकु उत्पादों का त्याग करने बाबत उनका परामर्श भी किया गया तथा लोगों को जागरूक किया गया। आमजन एवं दुकानदारों को एकत्रित कर उन्हें कोटपा अधिनियम की जानकारी भी प्रदान की तथा अधिनियम की पालना करने का आह्वान किया। चालान दल के सदस्य के रूप में एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य केसी सैनी तथा डीपीसी आईईसी नंदलाल शर्मा ने इस दौरान लोगों के छोटे छोटे समूहों में चर्चा की, उन्हें तम्बाकु उत्पादों के पैकिट पर अंकित किये गये। कैंसर के फोटो दिखाकर उन्हें बताया कि तम्बाकु का उपयोग करने से कैंसर हो सकता है, तम्बाकु उत्पादों का प्रयोग करने वाले लोगों को हृदयरोग, श्वसन रोग, पक्षाघात एवं दमा आदि रोगों का भी अधिक खतरा बना रहता है तथा उन्हें तम्बाकु से होने वाले अन्य नुकसानों की भी जानकारी दी। इस दौरान कई लोगों से तम्बाकु उत्पादों का त्याग करने के लिए संकल्प पत्र भी भरवाये। साथ ही कई दुकानदारों से उनके दुकानों में लगे तंबाकू के विज्ञापनों को हटाया भी गया। कार्यवाही के दौरान दल के सदस्यों ने दुकानदारों को भी समझाया कि वे नाबालिकों को तम्बाकु उत्पादों का विक्रय नहीं करें, चेतावनी के बैनर दुकान पर लगाकर रखें, तम्बाकु उत्पादों के विज्ञापन के चित्र नहीं लगायें, उक्त सभी कोटपा अधिनियम के उल्लंघन की श्रेणी में आते हैं।

7 साल की आतिफा ने रखा पहला रोजा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर की शिप हाउस, जिलानी मस्जिद के पास, भारत कॉलोनी निवासी इमरान खान अब्बासी और सन्नो बानो की पुत्री आतिफा ने अपनी ज़िन्दगी का पहला रोजा रखा।

मोबाइल सेल और सर्विस के कार्य से अपना जीवन यापन करने वाले आतिफा के पिता इमरान खान ने बताया कि 7 साल की आतिफा ने अपनी दोनो बड़ी बहनों सारा व इज़मा को देखकर खुद भी रोजा रखने की इच्छा जाहिर की। हमने बहुत समझाया कि आप बहुत छोटे हो लेकिन उसने रोजा रखने की जिद कर ली। फिर हमने अल्लाह से दुआ कर के उसकी हिम्मत को देखते हुए उसे पहला रोजा रखवाया।

आतिफा ने कहा कि रोजा रखने से हम बीमारियों से दूर रहते है और हमें गरीबी व भुखमरी का अहसास होता है। वो पूरी दिन भूखी-प्यासी रही और अपनी अम्मी के साथ पांचो वक्त की नमाज पढी, देश-दुनिया में अम्नोचैन, शांति, खुशहाली, कौमी एकता व भाईचारे की दुआ की और उसने गरीबों को कुछ पैसे देकर मदद भी की।

आतिफा जोधपुर के महामन्दिर रोड स्थित सुमेर लिटिल रोज सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की कक्षा पहली की छात्रा है। आतिफा के रोजा रखने से आस-पास के इसकी हम उम्र के बच्चों में भी उत्साह है और वे भी इसकी तरह रोजा रखने की बात कह रहे है।

दीवाना शाह की दरगाह पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेन्द्र सिंह शिशोदिया ने फूल पेश किए

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेन्द्र सिंह शिशोदिया ने मुख्य मज़ार पर फूल पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ।

दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी के अनुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेन्द्र सिंह शिशोदिया एवं ए.डी.जे. डॉ. महेन्द्र सोलंकी का बुलन्द दरवाजा पर दरगाह वक्फ कमेटी के सदस्य अब्दुल वहीद अंसारी, हाजी अर्ब्दुरहमान, अशफाक तुर्किया ने स्वागत किया एवं दरगाह शरीफ स्थित आस्ताना ए आलिया मे कमेटी सदस्य सैयद अख्तर अली बुखारी ने दस्तारबंदी कर श्रीफल भेंट किया।

शहर काजी के उमराह के सफर पर जाने पर अंजुमन कमेटी ने किया इस्तकबाल

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका) । मदरसा अंजुमन इस्लामिया के प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि रमजान के पाक महीने में उमराह के पाक सफर पर जाने पर बारां शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब का अंजुमन मेरीज हाल में अंजुमन सदर माजिद सलीम व नायाब सदर जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में दस्तारबन्दी कर मुबारकबाद पेश की गई। अंजुमन कमेटी के पदाधिकारियों ने उमराह के दौरान शहर काजी से मुल्क में अमन -चेन व अंजुमन की फलाह के लिए दुआ की गुजारिश की गई। इस दौरान अब्दुल वहीद खान, पूर्व सदर फकीर मोहम्मद, खजांची मोहम्मद अशफ़ाक मयूर, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कुंडी, प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, तामीर कन्वीनर मन्नू पठान, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, समाज लसेवी शेख बहादुर, पार्षद परवेज खान, पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, पूर्व पार्षद अख़लाक़ अंसारी, ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, नासिर खान बंटी, असलम मंसूरी, इशरत खान, साजिद अब्बासी आदि लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों का कराया रणथम्भौर नेशनल पार्क का भ्रमण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक विभाग द्वारा संचालित राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय विद्यालय ठींगला सवाई माधोपुर एवं मदरसा अंजुमन इस्लामिया सवाई माधोपुर के विधार्थियों को पर्यावरण ज्ञान एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूकता उपलब्ध करवाने के लिए रणथम्भौर रक्षक कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को रणथम्भौर नेशनल पार्क का शैक्षिक भ्रमण करवाया गया।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि विद्यार्थियों की वन विभाग द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करवाई गयी जिसमें विद्यार्थियों ने प्राकृतिक दृश्यों, पशु पक्षियों, पेड़ पौधों के चित्रों का अंकन किया। रणथम्भौर नेशनल पार्क में विधार्थी बाघिन एरोहेड व उसके शावकों को शिकार करते देख रोमांचित हो गए। नेशनल पार्क के सुनहरे दृश्यों पहाड़, तालाब, घाटियों, पक्षियों, चीतल, तेंदुआ हिरन आदि वन्य जीवों को स्वछन्द विचरण करते देख बच्चे अभिभूत हो गये।

आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य जुबेर अहमद एवं मदरसे के नोडल शिक्षा अनुदेशक ने बताया कि विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं वृक्ष बचाव का संदेश दिया गया।

कैस्ट्रॉल इंडिया ने लॉन्च किया अपना नया कैम्पेन

मुंबई, एजेंसी। देश के प्रमुख ल्युब्रिकेंट निर्माता, कैस्ट्रॉल इंडिया ने अपने टू-व्हीलर इंजन ऑयल ब्रैंड कैस्ट्रॉल एक्टिव के रीलॉन्च को सपोर्ट करने के लिए अपना दमदार मार्केटिंग कैम्पेन पेश किया है। इस प्रोडक्ट कोगाड़ी के इंजन को ओवरहीटिंग सेशानदार3एक्स प्रोटेक्शन देने के लिए बनाया गया है। इस प्रोडक्ट में किए गए अपग्रेड को ब्राण्ड एम्बेसडर शाहरुख खान के साथ अनेक चैनलों के माध्यम से दिखाने की कोशिश की गई है। टीवी विज्ञापन मेंशाहरुख खान एक पुलिस वाले की भूमिका में हैं और उन्हें राजस्थान के तपते रेगिस्तान मेंअपराधियों का पीछा करते हुए दिखाया गया है। जैसे ही अपराधियों का पीछा करने की गति तेज होती है, कैस्ट्रॉल एक्टिव इंजन ऑयल से चलने वाली शाहरुख खान की बाइक इतनी भयंकर गर्मी में भी चलती रहती है।जबकि अपराधियों की बाइक में साधारण इंजन ऑयल है, इसलिएज़्यादा गर्मी के कारण उनकी बाइक का इंजन गरम हो जाता है और वह रुक जाती है।कैस्ट्रॉल एक्टिव इंजन ऑयल भीषण गर्मी में भी इंजन को सुरक्षित रखता है।जिससे गाड़ी बिना रुके चलती रहती है। सुकेश नायक, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर ऑगिल्वी इंडिया,कहते हैं, कैस्ट्रॉल एक्टिव की कहानी आम होते हुए भी बेहद दमदार है- यह विपरीत परिस्थितियों में भी सुरक्षा देने की बात करती है। ऐसी कहानी पेश करने के लिए शाहरुख खान से बेहतर भला कौन हो सकता है परदे पर उनकी मौजूदगी, प्रोडक्ट के वादे को और भी मजबूतकरती है और एक प्रभावी कहानी बनती है। इस कैम्पेन के माध्यम से हमने प्रोडक्ट की जबर्दस्त ढंग से काम करने की क्षमता के साथ एक दमदार कहानी का मेल किया है ताकि लाखों बाइकर्स तक इसकी आवाज पहुंचे। रोहित तलवार, वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड, मार्केटिंग, कैस्ट्रॉल इंडिया, कहते हैं, इंजन का ज़्यादा गरम होना बाइक चलाने वालों की एक बड़ी समस्या है, जो भारत में खास तौर पर प्रांसगिक है, जहाँ गर्मियाँ बहुत तेज़ होती हैं और लंबी दूरी की यात्रा इंजन पर ज़्यादा दबाव डाल सकती है।

एक्ज़ोनोबेल की इंद्रधनुष महिला उद्यमियों ने ग्रामीण भारत के भविष्य को बनाया समावेषी

गुरूग्राम एजेंसी। एक प्रोफेशनल पेंटर के बारे में सोचिए, आपके मन में किसकी तस्वीर आती है पुरूष की या महिला की अब कल्पना कीजिए एक ऐसी दुनिया की जहां लिंग आधारित भेदभाव न हो। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक्ज़ोनोबेल इंडिया अपनी 'इंद्रधनुष' महिलाओं का जश्न मना रहा है, जो पेंट की बदलावकारी क्षमता के साथ डेकोरेटिव पेंटिंग के पुरूष प्रधान उद्योग

में स्थापित मान्यताओं को चुनौती दे रही हैं। चार सालों के दौरान एक्ज़ोनोबेल की सामाजिक पहल, प्रोजेक्ट इंद्रधनुष ने भारत के 7 राज्यों के 940 से अधिक गांवों में 3100 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराए हैं। उल्लेखनीय है कि 2100 से अधिक महिलाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो आज आर्थिक रूप से स्वतन्त्र प्रोफेशनल पेंटर हैं, वहीं 1000 महिलाएं सफल पेंट-प्रेन्योर्स बन चुकी हैं। हर इन्द्रधनुष महिला का जश्न मनाते हुए रोहित तोतला, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर, एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने कहा, ''एक्ज़ोनोबेल में हमारा मानना है कि महिलाओं के विकास से ही समाज फलता-फूलता है। प्रोजेक्ट इंद्रधनुष का जादू ग्रामीण महिलाओं की अप्रयुक्त क्षमता के सदुपयोग में छिपा है, जो उन्हें पेंट उद्योग में अवसर प्रदान करता है।

ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ के बाद

5 अरबपतियों की दौलत में 209 अरब डॉलर की सेंध

ब्लूमबर्ग एजेंसी। 20 जनवरी को जब डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली, तो उनके आसपास दुनिया के कुछ सबसे अमीर लोग मौजूद थे।

उस दिन मौजूद अरबपतियों जैसे एलन मस्क, जेफ बेजोस और मार्क जुकरबर्ग की दौलत कभी इतनी नहीं थी, क्योंकि शेयर बाजारों में उछाल से उन्हें भारी मुनाफा हुआ था, लेकिन सात हफ्ते बाद, कहानी बदल गई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ने उन अरबपतियों के लिए एक बड़ा उलटफेर ला दिया है, जो कैपिटल रोटंडा में ट्रंप के पीछे बैठे थे। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, इनमें से पांच अरबपतियों की कुल दौलत में 209 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

चुनाव और शपथ ग्रहण के बीच का समय रहा शानदार- ट्रंप के चुनाव और उनके शपथ ग्रहण के बीच का समय दुनिया के अमीरों के लिए बहुत फायदेमंद रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स ने कई बार रिकॉर्ड ऊंचाई छूई। निवेशकों ने शेयर और क्रिप्टो बाजारों में पैसा लगाया, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि ट्रंप की नीतियां व्यापार के लिए फायदेमंद होंगी।

चुनाव के बाद के हफ्तों में मस्क की टेस्ला कंपनी में 98 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। अर्नाल्ट की एलपीएमएच ने शपथ ग्रहण से एक हफ्ते पहले 7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जिससे फ्रांसीसी उद्योगपति की दौलत में 12 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। यहां तक कि जुकरबर्ग की मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. (जिसने 2021 में ट्रंप को सोशल मीडिया से बैन कर दिया था) ने भी नए कार्यकाल की शुरुआत से पहले 9 प्रतिशत और कार्यालय में पहले चार हफ्तों में 20 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

कॉमेडके/यूनिगेज यूजीईटी 2025 की प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीख घोषित

- **400 से अधिक केंद्रों पर 1.2 लाख से अधिक छात्रों के परीक्षा में शामिल होने की उम्मीद**

भोपाल। पिछले पांच दशकों में, कर्नाटक ने हायर एजुकेशन में अपने आप को हमेशा आगे रखा है, जिसने देश के सभी कोनों से बड़े बड़े सपने देखने वाले इंजीनियरों को आकर्षित किया है। राज्य में कई अच्छे कॉलेज हैं, जहां अलग-अलग तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। यहां के छात्रों को अच्छी नौकरियां भी मिलती हैं। इस स्ट्रॉग एजुकेशन सिस्टम की वजह से स्किल्ड लोग तैयार हो रहे हैं, जो देश और विदेश में कामयाबी हासिल कर रहे हैं।

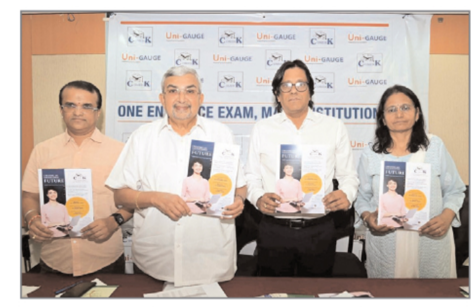

कॉमेडके यूजीइटी / यूनिगेज 2025 प्रवेश परीक्षा शनिवार, 10 मई, 2025 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कर्नाटक के 150 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेजों और देशभर के 50 से ज्यादा प्राइवेट और सेल्फ- फंडेड यूनिवर्सिटीज में प्रवेश के लिए होती है। इसे कुपेका और यूनिगेज से जुड़े संस्थानों में बी.ई/बी.टेक में एडमिशन के लिए आयोजित किया जाता है। यह ऑनलाइन परीक्षा भारत के 200 से ज्यादा शहरों में 400 से अधिक सेंटर पर होगी। इसमें 1,20,000 से ज्यादा छात्र शामिल हो सकते हैं। देशभर के छात्र इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2022 में, कॉमेडके ने छात्रों की स्किल्स को सुधारने के लिए कई कोर्स प्रदान करके छात्रों को वर्कफोर्स के लिए तैयार करने के लिए 8 कॉमेडके केर्स इनोवेशन हब पेश किए।

नथिंग फ़ोन (3ए) की बिक्री 11 मार्च से शुरू; कम से कम 19,999 में उपलब्ध है

नई दिल्ली, एजेंसी। नथिंग, लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी ने 11 मार्च से फ्लिपकार्ट, विजय सेल्स, क्रोमा और भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोरों पर नथिंग फ़ोन (3ए) सीरीज़ की ओपन सेल की घोषणा की है। पहले दिन एक विशेष शुरुआती ऑफ़र के रूप में, फ़ोन (3ए) 19,999 रुपये की कीमत पर उपलब्ध होगा, और फ़ोन (3ए) प्रो 24,999 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) की कीमत पर उपलब्ध होगा। 4 मार्च, 2025 को नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ को वैश्विक स्तर पर लॉन्च किया, जिसके कैमरा में प्रमुख अपग्रेड शामिल हैं। फ़ोन (3ए) में 50 एमपी का मेन सेंसर, सोनी का अल्ट्रा-वाइड सेंसर और 2× ऑप्टिकल जूम वाला 50 एमपी का टेलीफ़ोटो लेंस है, जबकि पेरिस्कोप कैमरा वाले फ़ोन (3ए) प्रो में 60× अल्ट्रा जूम है। सेल्फ़ी के लिए, फ़ोन (3ए) में 32 एमपी का फ्रंट कैमरा है, जबकि प्रो मॉडल में 4के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ 50 एमपी का सेंसर है। दोनों फ़ोनों में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 मोबाइल प्लैटफ़ॉर्म और 5000 एमएएच की बैटरी है जो एक बार फुल चार्ज होने पर दो दिन तक इस्तेमाल करने की सुविधा देती है। 50डब्ल्यू पर अपग्रेडेड फ़ास्ट चार्जिंग के साथ, फोन (3ए) सीरीज़ 20 मिनट से कम समय में पूरे दिन की पावर (50 प्रतिशत) देती है।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की बड़ी उपलब्धि

अपने पहले इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का किया शुभारंभ

चेन्नई , एजेंसी। उभरते बाजारों की एक प्रमुख एफएमसीजी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने तमिलनाडु में चेन्नई के पास चेंगलपट्टू जिले में अपना पहला इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट का उद्घाटन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु एम.के. स्टालिन, नादिर गोदरेज, चेयरपरसन, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और जीसीपीएल के सीईओ सुधीर सीतापति ने किया। मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन ने उत्पादन लाइन को शुरू करके प्लांट का संचालन किया, जिसके बाद पहले उत्पादन के रूप में सिंथॉल ओरिजनल साबुन बार का निर्माण हुआ। यह प्लांट की शुरुआत के लिए एक अहम क्षण था।

साल 2024 में, जीसीपीएल ने तमिलनाडु में अपनी अत्याधुनिक निर्माण सुविधा का शिलान्यास समारोह आयोजित किया था। इसमें अगले पांच वर्षों में लगभग 515 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। यह जीसीपीएल द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। यह प्लांट 27 एकड़ में फैला हुआ है और इसे केवल 13 महीने में तैयार किया गया है। प्लांट के उद्घाटन पर नादिर गोदरेज, चेयरपरसन, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने कहा, चेंगलपट्टू प्लांट हमारी कंपनी की नए और टिकाऊ व समावेशी तरीकों से काम करने की सोच को दर्शाता है। यह प्लांट उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद देने के मिशन के साथ-साथ हमारे कर्मचारियों की भलाई और विविधता पर भी जोर देता है।

हिप हॉप इंडिया सीजन 2 14 मार्च से सिर्फ अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर फ्री में स्ट्रीम होगा!

मुंबई, एजेंसी। अब समय आ गया है अपने बेहतरीन डांस मूव्स दिखाने का, क्योंकि हिप हॉप इंडिया, भारत का पहला और एकमात्र हिप-हॉप डांस रियलिटी शो, अपने दूसरे सीजन के साथ अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर वापसी कर रहा है। अपने पहले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद, दूसरा सीजन हिप-हॉप डांस फॉर्म को सेलिब्रेट करने के लिए तैयार है, जिसमें ग्रैविटी को चुनौती देने वाले परफॉर्मेंस, जबरदस्त डांस बैटल, भारत के अंडरग्राउंड हिप-हॉप वर्ल्ड की गहराइयों से जानने का मौका और दर्शकों के लिए एक नए स्तर का मनोरंजन शामिल होगा। स्ट्रीमिंग सेवा ने आज इस सीजन का धड़कन तेज कर देने वाले ट्रेलर का अनावरण किया, जिसमें दर्शकों को जबरदस्त टैलेंट और हिप-हॉप के लिए जुनून की झलक देखने को मिली। इस सीजन को मशहूर कोरियोग्राफर-डायरेक्टर रेमो डिसूजा और ग्लैमरस मलाइका अरोड़ा जज करेंगे। हिप हॉप इंडिया सीजन 2, 14 मार्च से सिर्फ अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर फ्री में स्ट्रीम होगा।

एआईजीएफ, एफआईएफएस और ईजीएफ ने आचार संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) को अपनाया

संघ स्थापित विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुपालन का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र तृतीय पक्ष के नेतृत्व में वार्षिक ऑडिट आयोजित करेंगे

आचार संहिता उन सभी ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटरों पर लागू होगी जो 03 संघों के सदस्य हैं और भारत में कौशल-आधारित वास्तविक-पैसे वाली गेमिंग सेवाएँ प्रदान करते हैं

मुंबई, एजेंसी। सुरक्षित और जिम्मेदार गेमिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन , फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स और ई-गेमिंग फेडरेशन ने आज संयुक्त रूप से एक 'आचार संहिता' पर हस्ताक्षर किए। सीओइ का उद्देश्य जिम्मेदार गेमिंग और विज्ञापन नीतियों के कार्यान्वयन के माध्यम से पूरे उद्योग में उपयोगकर्ता सुरक्षा के सुसंगत मानकों को लागू करना है और जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक तृतीय-पक्ष ऑडिट और व्यापक रिपोर्टिंग तंत्र को अनिवार्य बनाना है।

सीओई को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर बनाया गया है और यह जिम्मेदार गेमिंग के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करता है जैसे कि आयु-सीमा, कठोर केवाईसी को अपनाना और उपयोगकर्ता द्वारा निर्धारित खर्च सीमा और स्व-बहिष्कार को सक्षम करना। यह उन सभी ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटरों पर लागू होगा जो महासंघों के सदस्य हैं और भारत में कौशल-आधारित वास्तविक-पैसे वाली गेमिंग सेवाएँ प्रदान करते हैं और 50 करोड़ से अधिक भारतीय गेमर्स के हितों की रक्षा करते हैं।

100 करोड़ रुपये या उससे ज़्यादा सालाना आय वाले गेमिंग ऑपरेटरों को हस्ताक्षर की तारीख़ से छह महीने के भीतर कोड को लागू करना होगा, जबकि 100 करोड़ रुपये से कम सालाना आय वाले लोगों को इसका पालन करने के लिए नौ महीने का समय मिलेगा। सफलतापूर्वक अपनाने पर, फ़ेडरेशन एक साल के लिए वैध प्रमाणन जारी करेंगे जिसे तीसरे पक्ष के स्वतंत्र ऑडिट के पूरा होने पर सालाना नवीनीकृत किया जाएगा। कोड की प्रभावशीलता का आकलन करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए हर साल इसकी समीक्षा की जाएगी।

ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन के सीईओ रोलैंड लैंडर्स ने कहा, सबसे बड़े और सबसे पुराने उद्योग संघ के रूप में, हम एआइजीएफ में मानते हैं कि एक संपन्न गेमिंग उद्योग को जिम्मेदारी, पारदर्शिता, नवाचार और खिलाड़ी सुरक्षा के स्तंभों पर बनाया जाना चाहिए। यह आचार संहिता निष्पक्ष खेल, भारतीय कानूनों के अनुपालन और एक सुरक्षित और जिम्मेदार गेमिंग वातावरण को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। अन्य उद्योग महासंघों के साथ सहयोग के माध्यम से, हम नैतिक गेमिंग के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं, भारत के ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र की विश्वसनीयता को मजबूत कर रहे हैं और एक स्थायी, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, एफआइएफएस के महानिदेशक, नील कैस्टेलिनो ने कहा, यह संयुक्त कोड देश में सुरक्षित, निष्पक्ष और जिम्मेदार गेमिंग वातावरण को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फोर्स एनएक्सटी का नया अभियान साहस, बहुप्रयोगिता और शैली का संगम

इनरवियर, एथलीजर और सक्रिय पहनावे को बना रहा है व्यक्तिगत शैली का अहम हिस्सा

मुंबई, एजेंसी। डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेडके प्रीमियम ब्रांड फोर्स एनएक्सटीने आधुनिक पुरुषों के लिए इनरवियर, एथलीजर और सक्रिय पहनावे (एक्टिववियर) का सबसे पसंदीदा ब्रांड बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह आराम, शैली और

आत्मविश्वास का बेहतरीन संयोजन पेश करता है।फोर्स एनएक्सटीके नवीनतमटेलीविजन विज्ञापन (टीवीसी)में साहसिक नाराफॉर व्हाट्स एनएक्सटीप्रस्तुत किया गया है, जो यह दर्शाता है कि इनरवियर, एथलीजर और सक्रिय पहनावा अब केवल उपयोगी वस्त्र नहीं रह गये हैं, बल्कि व्यक्तिगत शैली, आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गये हैं। इसटीवीसीका निर्देशन विशिष्ट फिल्मकारउजैर खानने किया है. यह एक अत्याधुनिक दृश्यात्मक प्रस्तुति है, जो आधुनिक जीवनशैली को दर्शाती है. इसमें दिखाया गया है किफोर्स एनएक्सटीकी श्रृंखला केवल एक आवश्यकता भर नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को निखारने का एक स्टाइलिश माध्यम भी है.

डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेडके प्रबंध निदेशकविनोद कुमार गुप्ताने कहा,

इनरवियर, एथलीजर और सक्रिय पहनावा अब केवल उपयोगिता तक सीमित नहीं हैं; वे आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और शैली का अभिन्न हिस्सा बन गये हैं। अपने नवीनतमटीवीसीके माध्यम से हम दिखाना चाहते हैं किफोर्स एनएक्सटीइनरवियर को एक नया आयाम दे रहा है—इसे पुरुष गर्व के साथ प्रदर्शित कर सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे अपने किसी भी अन्य पहनावे को दिखाते हैं। इस अभियान कोलो लिन्टासने तैयार किया है, जो इनरवियर, एथलीजर और सक्रिय पहनावे की भूमिका को आज के युवाओं की ज़िंदगी में एक नये रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट, जो बाजार की अनिश्चितता में देगा वित्तीय सुरक्षा

सतना। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट पेश किया है। यह प्रोडक्ट ग्राहकों को लंबी अवधि की बचत प्रदान करने के साथ ही तुरंत आय की गारंटी भी देता है, जिससे उन्हें आर्थिक लिम्डिटी मिलती है। इस प्रोडक्ट में कई विकल्प हैं, जैसे ग्राहक तय कर सकते हैं कि गारंटीड इनकम कब शुरू होगी, कितने समय तक मिलेगी और मैच्योरिटी पर कितना पैसा मिलेगा। इसके साथ ही, इसमें लाइफ कवर भी शामिल है, जो परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। बढ़ती हुई आय का विकल्प इस प्रोडक्ट की खासियत है। इसमें हर साल 5प्रतिशत की कंपाउंडिंग दर से इनकम बढ़ती है, जिससे महँगाई से निपटने में मदद मिलती है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, श्री अमित पालटाने कहा, हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवाचार की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एक नया और महत्वपूर्ण जोड़ है। यह अनोखा प्रोडक्ट ग्राहकों को गारंटीड इनकम का लाभ देता है, जिसे वे अपनी जीवन योजनाओं और नकदी जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने हाल के महीनों में देखा है, आज के अनिश्चित आर्थिक माहौल में बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है। ऐसे समय में ग्राहक गारंटीड रिटर्न वाले प्रोडक्ट को प्राथमिकता देते हैं, जो उनकी पूँजी को सुरक्षित रखते हुए उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करे। आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट ग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाते हुए उनके वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा, इस प्लान का बढ़ती हुई आय का विकल्प ग्राहकों को महँगाई से निपटने में मदद करेगा।

एसएस इनोवेशन्स ने दूसरे ग्लोबल एसएमआरएससी 2025 में किया भारत की पहली मोबाइल टेली-सर्जिकल युनिट मंत्राएम का अनावरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने गुरूग्राम स्थित द लीला में दूसरे ग्लोबल एसएसआई मल्टी- स्पेशलिटी रोबोटिक सर्जरी कॉनफेरेन्स (एसएमआरएससी) 2025 का आयोजन किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर से 1200 से अधिक प्रख्यात चिकित्सा पेशेवर शामिल हुए, जिन्हें इस मंच के माध्यम से रोबोटिक सर्जरी की बदलावकारी क्षमता के बारे में जानने का अवसर मिला। एसएमआरएससी 2025 में की गई एक महत्वपूर्ण घोषणा के तहत एसएस इनोवेशन्स ने एसएसआई मंत्रा टेली-सिंक मोबाइल युनिट -''एसएसआई मंत्राएम' का अनावरण किया- अपनी तरह की अनूठी यह पहल भारत में रोबोटिक सर्जरी और टेलीमेडिसिन में नया बदलाव लेकर आएगी। यह आधुनिक मोबाइल टेली-सर्जिकल युनिट चिकित्सा तकनीक के आधुनिकीकरण, चिकित्सा सेवाओं की बुनियादी सुविधाओं को नया आयाम देने और आधुनिक सर्जिकल देखभाल की पहुंच बढ़ाने के लिए एसएस इनोवेशन्स की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके माध्यम से एसएस इनोवेशन्स मेड-टेक की सीमाओं को पार करने, सर्जिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव लाने तथा रोबोटिक सर्जरी एवं हेल्थ टेक इनोवेशन्स में ग्लोबल लीडर के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। टेलीसर्जरी की आधुनिक क्षमता के साथ एसएसआई मंत्रा दूरदराज के वंचित क्षेत्रों में विश्वस्तरीय रोबोटिक-असिस्टेड प्रक्रियाओं को सुलभ बनाकर सर्जिकल केयर की सभी बाधाओं को दूर कर रही है। टेली सिंक मोबाइल युनिट में एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम, हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक्स शामिल है जो रिमोट एवं ऑन-साईट सर्जिकल टीम के बीच रियल टाईम सहयोग को सुनिश्चित करता है।

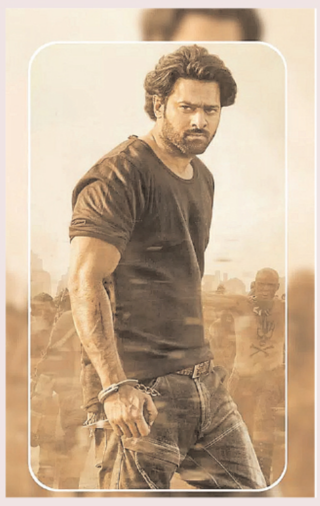

प्रभास की फिल्म द राजा साब की रिलीज में होगी और देरी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब को लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन प्रोडक्शन में देरी के चलते इसे टाल दिया गया। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। 123 तेलुगु डॉट कॉम की खबर के मुताबिक फिल्म की शूटिंग में और देरी होने वाली है, क्योंकि चार गाने और क्लाइमेक्स सीन अभी बाकी हैं। बताया जा रहा है कि प्रभास इस समय अपनी दूसरी फिल्म पर ध्यान दे रहे हैं, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ महीने पहले प्रभास को चोट भी लग गई थी, जिसके कारण शूटिंग और प्रभावित हुई। इन सभी वजहों से द राजा साब की शूटिंग अभी पूरी नहीं हो पाई है।

रश्मिका मंदाना ने बताया थामा के सेट पर कैसा होता है नाइट शूट

रश्मिका मंदाना इन दिनों आयुष्मान खुराना के साथ अपनी आगामी फिल्म थामा की शूटिंग कर रही हैं। एनिमल अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के नाइट शेड्यूल की एक झलक दिखाई। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें से एक में वह कार में सोती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने लिखा, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। एक अन्य तस्वीर में रश्मिका अपनी वैनिटी में एक ट्रैवल कप पकड़े हुए नजर आ रही हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। फिल्म अभिनेता आयुष्मान ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए थामा की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उनके क्रू मेंबर्स फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच देख रहे हैं। भारत के फाइनल जीतने के बाद, अभिनेता और उनकी थामा टीम ने जीत का जश्न मनाया। हालांकि, जश्न के बाद टीम धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर बढ़ गई। अभिनेता आयुष्मान ने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के जीतने पर। यह फिल्म खूनी पृष्ठभूमि पर आधारित एक मनोरंजक प्रेम कहानी होने वाली है। आयुष्मान और रश्मिका की मुख्य जोड़ी के साथ इस परियोजना में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अदा शर्मा बोली- 'डिजाइनर कपड़े पहनने से कोई सफल नहीं होता है'

अदा शर्मा काफी वर्सटाइल एक्ट्रेस है। वह अब तक अलग-अलग जॉनर की फिल्में कर चुकी हैं। खासकर 'द केरल स्टोरी' में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसी फिल्म के दौरान उनका एक्टिंग, डिजाइनर कपड़ों को लेकर नजरिया भी बदला। अदा शर्मा को पिछ्ले कुछ सालों में सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इवेंट्स तक में बहुत ग्लैमरस अंदाज में नहीं देखा गया है।हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि उन्हें अहसास हो चुका है कि डिजाइनर ड्रेस पहनकर कोई स्टार नहीं बनता है। हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए गए एक इंटरव्यू में अदा शर्मा बताती हैं कि जब वह फिल्म 'केरल स्टोरी' का प्रमोशन कर रही थी तो अपनी मम्मी की साड़ी पहनकर, इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करती है। क्योंकि कहानी काफी सीरियस थी। फिल्म भी हिट हुई। तब अदा शर्मा को अहसास हुआ कि डिजाइनर कपड़े पहनकर कोई सफल नहीं होता है। तभी उनका नजरिया बदला कि सिर्फ अच्छी एक्टिंग करना ही जरूरी है। आगे अदा शर्मा कहती हैं, ' बहुत सारी ड्रेस, जूतों को मेंटेन करना भी मुश्किल काम है। इसके लिए घर को बंद भी रखना है जिससे धूल-मिट्ट ना आए। लेकिन मुझे नेचर पसंद है, चिड़िया, कबूतर देखना अच्छा लगता है, इसलिए खिड़की खुली रखती हूं।

अक्षय कुमार ने करोड़ों में बेचा अपना मुंबई वाला लग्जरी अपार्टमेंट

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक्टर जल्द ही कई अपकमिंग प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं, जिसको लेकर वह सुर्खियों में रहते हैं। इसी बीच खिलाड़ी कुमार अलग ही चर्चा में गए हैं। खबर है कि एक्टर ने मुंबई में एक करोड़ों की डील की है। अक्षय ने मुंबई के बोरीवली ईस्ट इलाके में अपना एक लग्जरी अपार्टमेंट बेच दिया है।

7 साल पहले खरीदी प्रॉपर्टी से कमाया इतना मुनाफा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार ने यह अपार्टमेंट 4.35 करोड़ रुपये में बेचा है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन की वेबसाइट पर इस प्रॉपर्टी से जुड़े रजिस्ट्री पेपर्स के मुताबिक, यह डील इसी महीने मार्च 2025 में हुई है। अक्षय ने जो अपार्टमेंट बेचा है, वह इलाके के स्काई सिटी बिल्डिंग में है, जिसे ओबेरॉय रियल्टी ने बनाया है। यह सोसाइटी 25 एकड़ में फैली हुई है। रिपोर्ट और रजिस्ट्री पेपर्स के अनुसार, अक्षय कुमार के इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1,073 स्क्वायर फीट है। इसके साथ ही एक्टर ने दो कार पार्किंग भी खरीदी थी। एक्टर ने इस लेन-देन के लिए 26.1 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई है। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार ने यह अपार्टमेंट करीब 7 साल पहले नवंबर 2017 में 2.37 करोड़ रुपये में खरीदा था और अब इसे 4.35 करोड़ रुपये में बेचा है। इस तरह उन्हें इस डील से अक्षय ने 183.54% मुनाफा कमाया है।

वॉर 2 की शूटिंग के दौरान घायल हुए ऋतिक रोशन, पैर में लगी गंभीर चोट

एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए एक परेशान करने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि ऋतिक अपनी अपकमिंग फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए हैं। घायल होने के कारण फिलहाल शूटिंग को टाल दिया गया है। वहीं, फैंस एक्टर के चोटिल होने के चलते चिंतित हो गए हैं और उनकी रिकवरी की दुआ करते नजर आ रहे हैं।

कैसे हुआ हादसा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर एक हाई-एनर्जी डांस नंबर की शूटिंग कर रहे थे, जब उनके साथ ये हादसा हो गया। इस गाने में जबरदस्त स्टंट और डांस मूव्स शामिल थे, लेकिन इसी दौरान ऋतिक के पैर में गंभीर चोट लग गई। उनकी चोट इतनी गहरी थी कि डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम चार हफ्ते का पूरी तरह रेस्ट के लिए बोला है।

क्या टल जाएगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाकी कलाकारों ने अपने हिस्से की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है और फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। सूत्रों की मानें तो ऋतिक रोशन की रिकवरी के बाद फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू होगी। बताया जा रहा है कि जिस गाने की शूटिंग के दौरान ऋतिक को चोट लगी, उसे अब मई 2025 में फिर से शूट किया जाएगा। बता दें, फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक के साथ साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। तय शेड्यूल के मुताबिक ये फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अदिति शर्मा ने 4 महीने पहले की थी गुपचुप शादी, अब मांग रहीं तलाक?

अदिति शर्मा और उनके कथित पति अभिनीत कौशिक के बीच विवाद बढ़ गया है। अभिनीत ने अदिति पर चोरी-छिपे शादी करने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर, उन्होंने गोरेगांव में एक सीक्रेट शादी की थी। जब रिश्ते खराब हुए तो अदिति ने 25 लाख रुपये की मांग की। अब दोनों अलग हो चुके हैं।

खतरों के खिलाड़ी 14 और अपोलीना फेम अदिति शर्मा पर उनके कथित पति अभिनीत कौशिक ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि एक्ट्रेस ने उनसे चोरी-छिपे शादी की है। इंडिया फोरम की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनीत और उनके लीगल एडवाइजर राकेश शेट्टी की तरफ ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

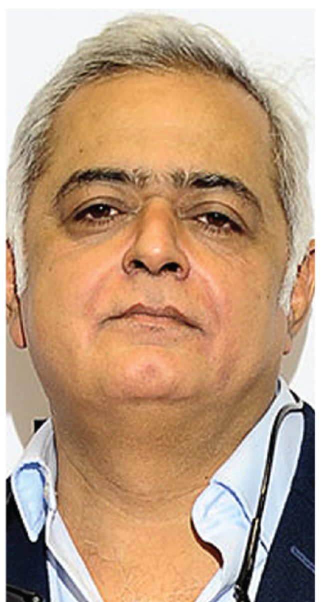

हंसल मेहता ने किया नए कलाकारों का समर्थन, बोले- हिंदी सिनेमा को रीसेट करने की जरूरत है...

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने बॉलीवुड के खत्म होने की चर्चाओं पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा है कि अब समय आ गया है कि हम नए कलाकारों पर निवेश करें।

हंसल मेहता आज बॉलीवुड के टॉप फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों में से एक हैं। वह हमेशा से ही इंडस्ट्री से जुड़ी अपनी चिंताओं को लेकर मुखर रहे हैं और एक बार फिर उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने हिसाब से जरूरी मुद्दों को उठाया है। एक्स पर बात करते हुए निर्देशक ने एक लंबी पोस्ट लिखी, जिसमें बताया गया कि बॉलीवुड को कैसे रीसेट करने की जरूरत है। उन्होंने नए जमाने के अभिनेताओं की तारीफ की और निर्माताओं, निर्देशकों से आग्रह किया कि वे अभिनेताओं पर निवेश करें न कि इंडस्ट्री में पहले से मशहूर सितारों पर। इंडस्ट्री को कैसे लोगों की जरूरत

उन्होंने लिखा कि हिंदी सिनेमा को रीसेट की जरूरत है। बॉलीवुड के लिए विनाश की भविष्यवाणी करने वालों के लिए- रुकें। इंडस्ट्री खत्म नहीं हो रही है। यह नाकाम होने का इंतजार कर रहा है। समस्या यह नहीं है कि दर्शकों की रुचि खत्म हो रही है। समस्या यह है कि पैसा सुरक्षित और पहले से तय चीजों में लगाया जा रहा है। हिंदी सिनेमा का भविष्य नई प्रतिभा, बोल्ड कहानी कहने और ऐसे निर्देशकों पर दांव लगाने से बेहतर होगा.

गजराज राव बोले- ऑन-स्क्रीन परफेक्ट होगी शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी

अभिनेत्री शालिनी पांडे की अभिनेता गजराव राव ने तारीफ की। हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में गजराज ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी परफेक्ट होगी। 'अर्जुन रेड्डी', 'महाराज' ओटीटी शो 'डब्बा कार्टेल' समेत अन्य शो में शानदार काम कर छाईं शालिनी को गजराज राव ने कार्तिक आर्यन के लिए परफेक्ट ऑन-स्क्रीन जोड़ीदार बताया। गजराज राव ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला है शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा है शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वो कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी और ज्योतिका भी हैं। शो को प्रशंसकों और दर्शकों से सराहना मिल रही है, जिसमें हर कोई राजी के रूप में शालिनी के प्रदर्शन की सराहना कर रहा है।

'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज' और हाल ही में रिलीज हुई 'डब्बा कार्टेल' में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने वाली शालिनी पांडे ने भारतीय सिनेमा में अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। गजराज राव की सिफारिश से अब संभावित उनके और कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'भूल भुलैया 3' में अपने काम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) के लिए आईफा का अवॉर्ड जीता है।

अभिनेता ने 'चंदू चैंपियन' में अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। मुझे पता है कि यह उस फिल्म के लिए पुरस्कार नहीं है, लेकिन मेरी भावनाएं वैसी ही हैं।

उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि जब उन्होंने पहली बार फ्रैंचाइजी में कदम रखा था, तो उन्हें किस तरह के संदेह का सामना करना पड़ा था, याद करते हुए कि कैसे लोगों ने सवाल किया था कि क्या वह 'भूल भुलैया 2' को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, शुरू से ही जब मुझे 'भूल भुलैया 2' के लिए कास्ट किया गया था, तो लोगों ने सवाल किया कि क्या मैं यह फिल्म कर सकता हूं, हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

साभार एजेंसी

अब आईपीएल की बारी...

लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाड़ी पहुंचे राजधानी, इकाना में एक सप्ताह तक चलेगा कैंप

लखनऊ, एजेंसी। 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल के तहत अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में सात लीग चरण के मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें मेजबान लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम नए मेंटर जहीर खान और नए कप्तान ऋषभ पंत के निर्देशन में नए रंगरूप में उतरेंगे। बीते खराब सीजन को देखते हुए इस बार टीम से बेहतर प्रदर्शन के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है।

यूपी की राजधानी लखनऊ में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के धूमधड़ाके के बाद अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का माहौल बनना शुरू हो गया है। इस कड़ी में लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) टीम प्रबंधन के सदस्यों के अलावा कुछ खिलाड़ी लखनऊ पहुंच चुके हैं। टीम मंगलवार से अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में कैंप शुरू कर देगी, जो बीस मार्च तक चलेगा। होली यानी 14 मार्च के बाद टीम के सभी प्रमुख खिलाड़ी लखनऊ पहुंच जाएंगे। यहां एक सप्ताह तक चलने वाले अंतिम कैंप में भाग लेंगे।

सोमवार को एलएसजी के सहायक कोच विजय दहिया के अलावा अब्दुल समद, युवराज चौधरी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, राजवर्धन हेंगरगेकर और सिद्धार्थ एम शहर पहुंच चुके हैं, जबकि कुछ विदेशी खिलाड़ियों के सोमवार रात अथवा मंगलवार सुबह पहुंचने की संभावना है। ये सभी खिलाड़ी इकाना स्टेडियम में अपनी कैंप की रणनीति बनाएंगे। अभी तक पहुंचे चुके खिलाड़ियों की होली लखनऊ में ही मनेगी।

भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है:रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के अजेय प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है जिसमें कई युवा प्रतिभाएं हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक भूख, जुनून और प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अभियान में शुभमन गिल (पांच मैचों में एक शतक के साथ 188 रन), श्रेयस अय्यर (पांच मैचों में दो अर्द्धशतक के साथ 243 रन), अक्षर पटेल (पांच मैचों में पांच विकेट के साथ 109 रन), हार्दिक पांड्या (चार मैचों में 99 रन और चार विकेट), केएल राहुल (पांच मैचों में 140.00 की औसत से 140 रन), वरुण चक्रवर्ती (नौ विकेट) जैसे कई वर्तमान और भविष्य के सितारे शामिल हैं जिन्होंने टीम की लगातार दूसरी बार व्हाइट-बॉल खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहित ने कहा कि जिस तरह से उनकी भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपराजित रहने का रिकॉर्ड बनाया है, वह उनके जुनून और प्रतिबद्धता का संकेत है - और यह भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस बात से सहमत हैं कि टीम अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर अपना दबदबा बना सकती है, रोहित ने बताया कि युवा प्रतिभाओं की प्रगति का समर्थन करने के लिए किस तरह से टीम तैयार की गई है। आईसीसी के हवाले से उन्होंने कहा, यही मुख्य बात है। आप खेलते समय अपनी बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। पिछले चार या पांच सालों में जब भी हमें मौका मिला, हमने हमेशा इन सभी खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश की है।

उन्होंने इसका फायदा उठाया है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी खेल के सभी प्रारूपों में चमक रहे हैं, जिससे चयन को लेकर काफी बहस हो रही है। उन्होंने कहा, जब आप इस बारे में चर्चा करते हैं कि किस खिलाड़ी को चुनना है, किसे बाहर करना है, कौन 11 में जगह नहीं बना पाएगा, तो इससे आपको पता चलता है कि इस टीम में कितनी गहराई है।

सफेद गेंद के मोर्चे पर टीम अगले दो वर्षों में दो वैश्विक आयोजनों की उम्मीद कर रही है, जिसमें 2026 की शुरुआत में घरेलू धरती पर टी20 विश्व कप (और श्रीलंका की सह-मेजबानी में) और 2027 में क्रिकेट विश्व कप शामिल है। र

ोहित को उम्मीद है कि कम से कम इस स्तर पर वे दोनों टीमों का हिस्सा होंगे, लेकिन उनका मानना है कि टीम के लिए एक मजबूत टीम के रूप में आगे बढ़ने के लिए मंच तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि भविष्य के लिए भारतीय क्रिकेट बहुत ही सुरक्षित हाथों में है, यह देखते हुए कि खिलाड़ी कैसे आगे बढ़ रहे हैं, वे उस जिम्मेदारी को कैसे लेना चाहते हैं, उनमें कितनी भूख है। जुनून, प्रतिभा, यह सब वहां है। अब बस वहां जाकर इसे करने की बात है।

पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है और इसके लिए कीवी टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस घरेलू सीरीज के लिए पहली बार स्टार आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी सौंपी गई है। हालांकि ब्रेसवेल इससे पहले पाकिस्तान में कीवी टीम के लिए कप्तानी कर चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए जिस टीम का चयन किया गया है उसमें सिर्फ 7 ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लिया था। ऐसे कई प्लेयर्स जो आईपीएल 2025 में खेलेंगे वो इस सीरीज का हिस्सा नहीं बनाए गए हैं। व्हाइट बॉल टीम के नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर के साथ डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, बेवॉन जैकब्स और लॉकी फर्ग्यूसन का आईपीएल 2025 की वजह से टीम में चयन नहीं किया गया। पाकिस्तान के खिलाफ स्पिनर ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई हुई जबकि तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी चोट से उबरकर वापसी करने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ इस सीरीज के लिए केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस टीम में 4 खिलाड़ी ऐसे हैं जो सिर्फ कुछ मैचों के लिए उपलब्ध होंगे।

टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस (केवल गेम 4 और 5), मिच हे, मैट हेनरी (केवल गेम 4 और 5), काइल जैमीसन (केवल गेम 1, 2 और 3), डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, विल ओ'रुरके (केवल गेम 1, 2 और 3), टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टी20 सीरीज का पूरा शेड्यूल

16 मार्च - पहला टी20, हेगले ओवल, क्राइस्टचर्च
18 मार्च -दूसरा टी20, यूनिवर्सिटी ओवल, डुनेडिन
21 मार्च -तीसरा टी20, ईडन पार्क, ऑकलैंड
23 मार्च - चौथा टी20, बे ओवल, माउंट माउंगानुई
26 मार्च - 5वां टी20, स्काई स्टेडियम, वेलिंग्टन

रोनाल्डो ने अल नासर को एएफसी चैंपियंस लीग एलीट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

रियाद (सऊदी अरब), एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से सऊदी अरब के अल नासर ने ईरान के एस्टेघलाल को 3-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल नासर से जुड़े थे लेकिन अभी तक रियाद के इस क्लब के लिए कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। वह पिछले सप्ताह अंतिम 16 के दौर के पहले चरण के मैच में गोल नहीं कर पाए थे। पहले चरण का मैच गोल रहित बराबरी पर छूटा था और इस तरह से अल नासर ने 3–0 के कुल अंतर से जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रोनाल्डो ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। अल नासर की तरफ से उनके अलावा झोन डुरान ने दो गोल किए। इस बीच दो बार के चैंपियन कतर के अल साद ने संयुक्त अरब अमीरात के अल वास्ल को 4-2 की कुल योग से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

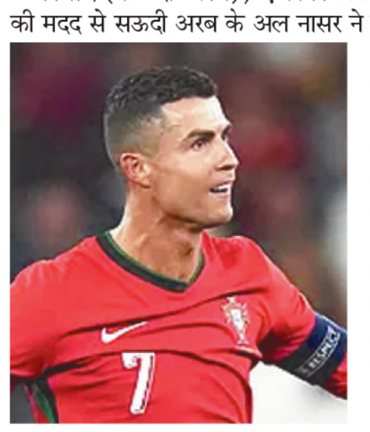

अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में लगातार 14वां मैच जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपना लगातार 14वां मैच जीता, जब उन्होंने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इंडियन वेल्स ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने के लिए डेनिस शापोवालोव को 6-2, 6-4 से हराया। दो बार के गत विजेता अल्काराज ने अपने 14 मैचों की जीत के क्रम में सिर्फ दो सेट गंवाए हैं। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्होंने अपने सामने आए चार ब्रेक पॉइंट में से तीन को बचाया और अपने आठ अवसरों में से चार को भुनाया। शापोवालोव ने इस सत्र में 10-4 के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जिसमें फरवरी में डलास में अपना पहला एटीपी 500 खिताब जीतना भी शामिल है। फिर भी अल्काराज ने पूरी कमान संभाली और सिर्फ छह गेम हारकर 83 मिनट में कनाडाई खिलाड़ी को हराया। अल्काराज ने जल्द ही 5-0 की बढ़त ले ली। हालांकि शापोवालोव ने अपनी लय पाई , लेकिन हाल ही में डलास ओपन चैंपियन विजेता को कभी भी मुश्किल में नहीं डाल पाया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक घंटे और 24 मिनट में आगे बढ़ गया। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार अल्काराज ने कहा, मुझे पता है कि उसने सीजन की शुरुआत बहुत मजबूती से की, डलास में खिताब के साथ वास्तव में अच्छा टेनिस दिखाया, अकापुल्को में अच्छा टेनिस खेला, इसलिए मुझे पता था कि मुझे मैच की शुरुआत वास्तव में मज़बूती से करनी होगी, वास्तव में अपनी चीजों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, अच्छी टेनिस खेलने की कोशिश करो, शुरुआत में अच्छी रैलियां करो ताकि अच्छी गति मिल सके, मैच में आ सकूं। मैंने देखा कि यह वास्तव में एक अच्छा और कठिन मुकाबला होने वाला था, इसलिए जिस तरह से मैंने मैच की शुरुआत की, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। अपनी छठी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश कर रहे दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आईसीसी रैंकिंग में भारतीयों को बंपर फायदा

विराट-अय्यर चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने नई रैंकिंग जारी की है. फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर इतिहास रचा था. फाइनल में कप्तान रोहित ने 76 रनों की पारी खेली थी, लेकिन बल्लेबाजी रैंकिंग में उन्हें नुकसान हुआ है. दूसरी ओर विराट कोहली ने पूरे टूर्नामेंट में 218 रन बनाए, जिसका उन्हें फायदा मिला है. यहां जानिए चैंपियंस ट्रॉफी के बाद टीमों की रैंकिंग और बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी रैंकिंग में कितना बदलाव हुआ है?

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भी आईसीसी रैंकिंग में पहले स्थान पर थी. उसके अब भी 122 ही अंक हैं और टीम इंडिया ने पहले स्थान को बरकरार रखा है. वनडे टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के 110 अंक हैं, उससे भारत बहुत आगे है. वहीं पाकिस्तान अब भी तीसरे स्थान पर कायम है, जिसके 106 अंक हैं. चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका विराजमान हैं.

टॉप-10 गेंदबाजों में सिर्फ एक भारतीय

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मोहम्मद शमी और वरुण चक्रवर्ती ने घातक गेंदबाजी की और दोनों ने कुल मिलाकर 18 विकेट चटकाए. वनडे के टॉप-10 गेंदबाजों में सिर्फ एक भारतीय खिलाड़ी मौजूद है. कुलदीप यादव को तीन स्थान का नुकसान हुआ है, जिससे वो छठे पायदान पर आ गए हैं. मोहम्मद शमी को तीन स्थान का फायदा हुआ और अब 11वें नंबर पर आ गए हैं. वरुण चक्रवर्ती ने सबसे लंबी छलांग लगाई है. वो 143 स्थान की छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग के टॉप-100 में शामिल हो गए हैं.

विराट-श्रेयस को फायदा, रोहित को नुकसान

वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली को फायदा हुआ है. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 218 रन बनाए, जिससे वो अब एक स्थान के फायदे के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं. रोहित शर्मा को दो स्थान का नुकसान हुआ है और वो अब 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं. रोहित इस टूर्नामेंट में 180 रन ही बना पाए. अच्छी बात यह है कि शुभमन गिल अब भी आईसीसी में दुनिया के टॉप बल्लेबाज बने हुए हैं. श्रेयस अय्यर भी एक स्थान के फायदे के साथ अब 8वें नंबर पर आ गए हैं.

आईसीसी ने दिया जवाब, क्यों चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद मंच पर नहीं था कोई पीसीबी अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी का समापन हो गया है. फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया और ट्रॉफी लेकर अपने वतन वापस भी लौट आई है. लेकिन फाइनल के बाद हुए पुरुस्कार वितरण समारोह को लेकर हंगामा अभी भी मचा हुआ है. दरअसल स्टेज पर पीसीबी का कोई अधिकारी नहीं दिखा था, इसको लेकर पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर्स और लोग सवाल उठा रहे थे. अब इस पर आईसीसी का जवाब आया है. टीम इंडिया के फाइनल मैच जीतने के आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह समेत 4 अधिकारी स्टेज पर मौजूद थे.

इसमें बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया के साथ न्यूजीलैंड निदेशक रॉजर ट्वोज उपस्थित थे. ऐसा देखने के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स और कुछ लोगों द्वारा सबसे पहले सवाल उठाया गया कि मेजबान होने के बाद भी उनके बोर्ड (पीसीबी) का अधिकारी स्टेज पर मौजूद क्यों नहीं था. उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया. आईसीसी के स्पोकपर्सन ने जियो टीवी से बात करते हुए बताया कि आईसीसी ने पीसीबी चीफ मोहसिन नक़वी को अवार्ड वितरण समारोह के लिए मंच पर बुलाने का इंतजाम किया था.

बचपन से ही मेरा एक ही सपना था कि मैं भारत के लिए खेलूं: ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद, भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खुलासा किया कि बचपन से ही उनका एक ही सपना था कि वे भारत के लिए खेलें, जो कड़ी मेहनत और लगन के बाद 2017 में साकार हुआ। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पंत को टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि केएल राहुल को उनसे आगे चुना गया था। हालांकि, पंत आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपनी नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी में उन्हें फ्रेंचाइजी ने रिकॉर्ड तोड़ 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंत ने जियो हॉटस्टार पर कहा, बचपन से ही मेरा एक ही सपना था - भारत के लिए खेलना। मैंने कभी आईपीएल में खेलने के बारे में सोचा भी नहीं था।

मुझे लगता है कि आज लोग आईपीएल पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। बेशक, यह एक बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म है, लेकिन मेरा मानना ??है कि अगर आपका लक्ष्य अपने देश के लिए खेलना है, तो बाकी सब कुछ - जिसमें आईपीएल भी शामिल है - आखिरकार अपने आप ठीक हो जाएगा। अगर आपकी सोच बड़ी है, तो सफलता आपके पीछे-पीछे आएगी। मुझे हमेशा से लगता था कि मैं एक दिन भारत के लिए खेलूंगा और भगवान ने मेरी मेहरबानी की। 18 साल की उम्र में मुझे डेब्यू करने का मौका मिला और मैं इसके लिए आभारी हूं। पंत अपने पावर-हिटिंग कौशल के अलावा अपने अपरंपरागत शॉट-मेकिंग कौशल के लिए भी जाने जाते हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह उन्हें स्वाभाविक रूप से आता है। विकेटकीपर ने कहा, पहले, बहुत से खिलाड़ी ये शॉट खेलते थे।

मैंने माही भाई (एमएस धोनी) के पुराने वीडियो देखे हैं, और उन्होंने भी लैप शॉट खेला है। लेकिन प्रतिशत के हिसाब से, मुझे लगता है कि वे इसे कम खेलते थे। अब खेल बदल रहा है - फील्ड प्लेसमेंट अलग हैं, और खिलाड़ी इसे अपना रहे हैं। कुछ को लग सकता है कि यह उनके खेल के लिए जरूरी है, जबकि अन्य को नहीं। दिन के अंत में, आप खेल को कैसे पढ़ते हैं, यह निर्धारित करता है कि आप इसे कैसे खेलते हैं। कई बार अपने बल्ले के हाथ से फिसलने के पीछे के कारण पर टिप्पणी करते हुए पंत ने कहा, मुझे लगता है कि ऐसा ज्यादातर इसलिए होता है क्योंकि मैं अपने निचले हाथ को बहुत हल्के से पकड़ता हूं। मैं मुख्य रूप से अपने निचले हाथ का इस्तेमाल सहारे के लिए करता हूं क्योंकि कई बार यह हावी होने लगता है। इसलिए, मैं अपने ऊपरी हाथ को मजबूती से पकड़ने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। लेकिन जब मैं ओवररीच करता हूं - खासकर जब गेंद बहुत चौड़ी या बहुत छोटी होती है - तो यह हमेशा आदर्श हिटिंग जोन में नहीं होता है। कभी-कभी, मैं जो शॉट लगाने की कोशिश करता हूं, उसकी सफलता दर केवल 30-40त्न हो सकती है, लेकिन मैच की स्थिति के आधार पर, मैं यह जोखिम उठाने को तैयार हूं। यही मेरी मानसिकता है। जब मैं वह जोखिम लेता हूं और ओवररीच करता हूं, तो मुझे संतुलन बनाए रखने के लिए कुछ करने की जरूरत होती है। कई बार, ऐसा लग सकता है कि मैं बल्ला फेंक रहा हूं, लेकिन वास्तव में, मैं बस उस डिलीवरी का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रहा होता हूं। अगर मेरा बल्ला फिसल जाता है, अगर यह मेरे हाथ में नहीं है, या यहां तक कि अगर यह मेरे सिर पर भी लग जाता है - तो उस समय मेरा एकमात्र ध्यान बाउंड्री ढूंढना होता है। यही मेरी सोच है।

मॉरीशस में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से स्वागत

» पोर्ट लुईस, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को मॉरीशस में प्रवासी भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया और समुदाय की महिलाओं ने गीत गवई नामक पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से उनका स्वागत किया। गीत गवई एक पारंपरिक भोजपुरी संगीत समूह है जो भारत के भोजपुरी क्षेत्र की महिलाओं द्वारा मॉरीशस लाई गई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मोदी ने एक्स पर कहा, मॉरीशस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं बहुत अभिभूत हूं। भारतीय विरासत, संस्कृति और मूल्यों से उनका गहरा जुड़ाव वाकई प्रेरणादायक है। इतिहास और दिल का यह बंधन पीढ़ियों से चला आ रहा है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, मॉरीशस में यादगार स्वागत। सबसे खास बात थी गीत-गवई प्रस्तुति में दिखाई देने वाला गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव। यह सराहनीय है कि कैसे महान भोजपुरी भाषा मॉरीशस की संस्कृति में फली-फूली है।

प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक गीत का आनंद लेते देखा गया। मॉरीशस के होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। होटल में मौजूद लोगों ने उनका स्वागत भारत माता की जय के नारे के साथ किया और भारतीय तिरंगा झंडा लहराया। गीत गवई के सांस्कृतिक महत्व को मान्यता देते हुए, इसे दिसंबर 2016 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था। गायकों के अनुसार, गीत गवई का जीवन में विशेषकर विवाह में गहरा महत्व है, जहां इसकी शुरुआत देवताओं के आह्वान से होती है। मोदी मंगलवार को मॉरीशस पहुंचे और सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मॉरीशस में देश के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मॉरीशस पहुंच गया हूं। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम का आभारी हूं, जिन्होंने हवाई अड्डे पर मेरा विशेष स्वागत किया। यह यात्रा एक मूल्यवान मित्र से मिलने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने पोस्ट में कहा, आज मैं राष्ट्रपति धरम गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात करूंगा और शाम को एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करूंगा।रामगुलाम के साथ उप प्रधानमंत्री, मॉरीशस के प्रधान न्यायाधीश, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, विपक्ष के नेता, विदेश मंत्री, कैबिनेट सचिव, ग्रैंड पोर्ट जिला परिषद के अध्यक्ष और कई अन्य लोग मौजूद थे। मोदी का स्वागत करने के लिए कुल 200 गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मॉरीशस भारत के साथ दोहरे कराधान से बचाव समझौते में संशोधन चाहता है : विदेश मंत्री

पोर्ट लुईस। विदेश एवं व्यापार मंत्री धनंजय रामफुल ने कहा कि मॉरीशस भारत के साथ दोहरा कराधान अपवंचन संधि (डीटीएसी) सहित अपने व्यापार समझौते में संशोधन के लिए दबाव बना रहा है। पोर्ट लुईस स्थित अपने कार्यालय में पीटीआई वीडियो के साथ एक साक्षात्कार में रामफुल ने व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौते (सीईसीपीए) पर फिर से विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि मॉरीशस की स्थिति फिर से पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में बहाल हो सके। वर्ष 2016 में संधि में संशोधन के बाद से द्वीप राष्ट्र से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में तेजी से गिरावट आई है। उन्होंने कहा, डीटीएसी में संशोधन पर अभी भी चर्चा की जा रही है। मुझे लगता है कि दो मुद्दों को सुलझाया जाना चाहिए। मुझे जो बताया गया है, उसके अनुसार एक बार यह मामला सुलझ जाए, तो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए जाएगें। मंत्री ने बताया कि संयुक्त समिति का दूसरा सत्र शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा, जिसमें सीईसीपीए और डीटीएसी दोनों पर पुनर्विचार किया जाएगा और इसका उद्देश्य व्यापार असंतुलन और कराधान संबंधी मुद्दों का समाधान करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सर शिवसागर रामगुलाम बोटैनिकल गार्डन का दौरा किया

पोर्ट लुइस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के उनके समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को सर शिवसागर रामगुलाम बोटैनिकल गार्डन का दौरा किया और देश के दो दिग्गज नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही पौधारोपण अभियान में हिस्सा लिया।मोदी ने मॉरीशस के संस्थापक सर शिवसागर रामगुलाम की कंक्रीट से बनी समाधि पर पुष्पचक्र चढ़ाया। उन्होंने देश के पूर्व राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अनिरुद्ध जगन्नाथ की समाधि पर भी पुष्पचक्र अर्पित किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ सर शिवसागर रामगुलाम बोटैनिकल गार्डन गया। यह एक बेहतरीन बोटैनिकल गार्डन है। यहां जैव विविधता का जीवंत संग्रह है, जो मॉरीशस की वानस्पतिक विरासत और संरक्षण प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने लिखा, मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम के एक पेड़ मां के नाम अभियान में हिस्सा लेने से अभिभूत हूं, जो प्रकृति, मातृत्व और स्थिरता के प्रति आभार प्रकट करने की पहल है। उनका समर्थन एक हरित एवं बेहतर भविष्य के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, स्मरण का पलउ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पैम्पलमाउस स्थित सर शिवसागर रामगुलाम बोटैनिकल गार्डन पहुंचकर मॉरीशस के इतिहास के दो दिग्गज नेताओं-सर शिवसागर रामगुलाम और सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

विवादित चागोस द्वीपसमूह पर वार्ता

भारत सहित सभी के साझा हितों के मद्देनजर चागोस पर ब्रिटेन से नया समझौता चाहता है मॉरीशस : रामफल

» पोर्ट लुइस, भाषा।

मॉरीशस और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से विवादित चागोस द्वीपसमूह पर वार्ता चल रही है। इस दौरान मॉरीशस की नव निर्वाचित सरकार क्षेत्र पर उसकी संप्रभुता को बहाल करने के उद्देश्य से समझौते की शर्तों को लेकर नए सिरे से विचार करने पर जोर दे रही है। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल ने पीटीआई वीडियो को दिए साक्षात्कार में कहा कि सरकार एक निर्णायक समझौता चाहती है जो भारत और अमेरिका सहित सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में होगा। उन्होंने कहा, यह दोनों देशों के हित में है, यह चाहे भारत, मॉरीशस हो या फिर ब्रिटेन व अमेरिका, कि हम चागोस के स्थाई समाधान के लिए एक समझौते पर पहुंचें। डिएगो गार्सिया में संचालित हो रहे सैन्य ठिकाने के संबंध में स्थिरता, प्रत्यक्षता और निश्चितता लानी चाहिए। इस समझौत पर शुरुआती बातचीत नवंबर 2024 में मॉरीशस के आम चुनावों से ठीक पहले हुई। हालांकि, अब जब नई सरकार सत्ता में है, तो रामफल ने कहा कि प्रशासन शर्तों पर नए सिरे से विचार करने को इच्छुक है।

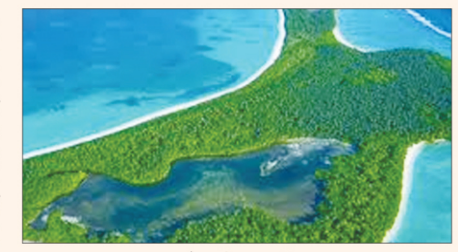

विदेश मंत्री ने कहा, चागोस पर अपनी संप्रभुता बहाल करने के लिए लंबे समय से हम संघर्ष कर रहे हैं। विवाद के ऐतिहासिक संदर्भ का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि ब्रिटेन ने बातचीत की मेज पर आकर मॉरीशस के साथ समझौता करने का फैसला किया है। रामफल ने कहा, दुर्भाग्य से, चुनाव से ठीक पहले से इस समझौते पर बातचीत चल रही थी। अब नवंबर से हमारे पास एक नई सरकार है और हमने कहा है कि हम इस समझौते पर नए सिरे से विचार करना चाहते हैं। यही वर्तमान में चल रहा है। रामफल ने रेखांकित किया कि वार्ता में हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है, विशेष रूप से डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे के निरंतर संचालन के संबंध में। हिंद महासागर में स्थित चागोस द्वीपसमूह 1968 में मॉरीशस की आजादी के बाद से विवाद का विषय बना हुआ है क्योंकि ब्रिटेन का अब भी इनपर नियंत्रण है। बाद में ब्रिटेन ने सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया को अमेरिका को पट्टे पर दे दिया, जिसने वहां एक रणनीतिक सैन्य अड्डा स्थापित किया है। पिछले महीने, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चागोस द्वीपसमूह में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के सैन्य ठिकाने के भविष्य को लेकर मॉरीशस और ब्रिटेन के बीच समझौते को अपना समर्थन दिया था। चागोस द्वीपसमूह, हिंद महासागर में 60 से अधिक द्वीपों की सात श्रृंखला है। रामफल के मुताबिक ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच चागोस के मुद्दे पर समझौते में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, उस संघर्ष के दौरान भारत हमेशा मॉरीशस के साथ रहा है और मॉरीशस को समझौते तक पहुंचने तथा चागोस पर हमारी संप्रभुता पुनः प्राप्त करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की है। हम इसके लिए भारत के बहुत आभारी हैं। मंत्री ने दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हमें यह ध्यान में रखना होगा कि हिंद महासागर में सुरक्षा के मामले में हमारे हित (भारत और मॉरीशस दोनों के) समान हैं। चागोस विवाद 1960 के दशक में तब शुरू हुआ जब ब्रिटेन ने इस द्वीपसमूह को मॉरीशस से अलग करके ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) बना दिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मार्च को पोर्ट लुईस में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत दौरे पर आएंगी

» न्यूयॉर्क /वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बहु-राष्ट्रीय यात्रा के तहत भारत की यात्रा करेंगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति एवं स्वतंत्रता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध बनाने और संचार के मार्ग खुले रखने के मकसद से गबार्ड यह यात्रा कर रही हैं। गबार्ड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं हिंद-प्रशांत की बहु-राष्ट्रीय यात्रा पर हूं, एक ऐसा क्षेत्र जिसे मैं बहुत अच्छी तरह से जानती हूं क्योंकि मैं प्रशांत क्षेत्र में पली-बढ़ी हूं। मैं जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा करूंगी। अमेरिका लौटते समय फ्रांस में कुछ देर के लिए रुकूंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के शांति, स्वतंत्रता और समृद्धि के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध, समझ विकसित करना और खुले संचार का मार्ग खुला रखना महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बहु-राष्ट्रीय यात्रा के तहत भारत की यात्रा करेंगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति एवं स्वतंत्रता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध बनाने और संचार के मार्ग खुले रखने के मकसद से गबार्ड यह यात्रा कर रही हैं। गबार्ड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं हिंद-प्रशांत की बहु-राष्ट्रीय यात्रा पर हूं, एक ऐसा क्षेत्र जिसे मैं बहुत अच्छी तरह से जानती हूं क्योंकि मैं प्रशांत क्षेत्र में पली-बढ़ी हूं। मैं जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा करूंगी। अमेरिका लौटते समय फ्रांस में कुछ देर के लिए रुकूंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के शांति, स्वतंत्रता और समृद्धि के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध, समझ विकसित करना और खुले संचार का मार्ग खुला रखना महत्वपूर्ण है।अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बहु-राष्ट्रीय यात्रा के तहत भारत की यात्रा करेंगी।

न्यूयॉर्क में हड़ताल के बाद काम पर न लौटने वाले 2,000 जेल प्रहरियों को नौकरी से निकाला गया

अल्बानी। न्यूयॉर्क में सप्ताह भर चली हड़ताल के बाद काम पर वापस नहीं लौटने पर प्रशासन ने सोमवार को 2,000 से अधिक जेल प्रहरियों को नौकरी से निकाल दिया। प्रशासन ने कहा कि हड़ताल को समाप्त घोषित करने के लिए पर्याप्त अधिकारी काम पर वापस आ गए हैं। कमिश्नर डैनियल मार्टुसेलो ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, 22 दिनों की अवैध हड़ताल के बाद, गवर्नर और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हड़ताल समाप्त हो गई है। राज्य और जेल के प्रहरियों की यूनियन ने इस सप्ताहांत हड़ताल समाप्त करने के लिए एक नया समझौता किया, लेकिन यह सोमवार की सुबह तक कम से कम 85 फीसदी कर्मचारियों के काम पर लौटने पर निर्भर था। यह संख्या समझौते को गति देने के लिए आवश्यक 85 फीसदी के लक्ष्य से कम थी। मार्टुसेलो ने कहा कि राज्य समझौते के ओवरटाइम और कुछ अन्य प्रावधानों का सम्मान करेगा। उन्होंने कहा कि नेशनल गार्ड जेलों में सहायक पद पर रहेंगे, जबकि विभाग अतिरिक्त कर्मचारियों के लिए तेजी से भर्ती अभियान चलाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य भर की जेलों में काम करने के लिए लगभग 10,000 सुरक्षा कर्मचारी उपलब्ध हैं, जबकि हड़ताल से पहले यह संख्या लगभग 13,500 थी। उन्होंने कहा, हड़ताल कर रहे 2,000 से ज़्यादा अधिकारियों को बर्खास्तगी पत्र भेजे गए हैं। जिन अधिकारियों और सार्जेंटों के पास पहले से स्वीकृत चिकित्सा अवकाश नहीं था और जो आज सुबह 6¬45 बजे तक वापस नहीं आए, उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रहरियों की यूनियन न्यूयॉर्क स्टेट करेक्शनल ऑफिसर्स एंड पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन को प्रतिक्रिया के लिए एक ईमेल भेजा गया था। काम करने की स्थितियों पर असंतोष जताते हुए कई जेल प्रहरियों ने 17 फरवरी को हड़ताल शुरू कर दी, जिससे गवर्नर कैथी होचुल को संचालन बनाए रखने के लिए नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

डोमिनिकन गणराज्य में छुट्टियां मना रही भारतीय छात्रा लापता

» न्यूयॉर्क, भाषा।

डोमिनिकन गणराज्य में छुट्टियां मनाने गई 20 वर्षीय भारतीय छात्रा लापता हो गई है। अमेरिकी संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले की जांच में कैरेबियाई देश के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। लॉडोन काउंटी शेरिफ ऑफिस (एलसीएसओ) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि सुदीक्षा कोनांकी भारतीय नागरिक और अमेरिका की स्थाई निवासी हैं। वह यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग की छात्रा हैं और अपनी पांच महिला मित्रों के साथ डोमिनिकन गणराज्य के पुन्ता काना स्थित एक रिसॉर्ट में छुट्टियां मना रही थीं। कोनांकी छह मार्च से लापता हैं। लॉडोन काउंटी शेरिफ ऑफिस ने कहा कि अमेरिकी संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां, डोमिनिकन राष्ट्रीय पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर उनकी तलाश कर रही हैं और इस मामले की जांच कर रही हैं। वर्जीनिया के लॉडोन काउंटी की निवासी कोनांकी को आखिरी बार छह मार्च की सुबह देखा गया था।

वे वसंत अवकाश (स्प्रिंग ब्रेक) के दौरान पुन्ता काना घूमने गई थी। एलसीएसओ ने कहा कि जांच के तहत बड़े पैमाने पर खोज अभियान चलाया जा रहा है। उन सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है जिन्होंने लापता होने से पहले कोनांकी को देखा था या उनके साथ समय बिताया था। शेरिफ ऑफिस ने इंटरपोल के माध्यम से एलो नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, जांच में शामिल तीन डोमिनिकन अधिकारियों ने बताया कि कोनांकी के समुद्र में डूबने की आशंका है। एलसीएसओ ने कहा कि उन्हें कोनांकी की सुरक्षित वापसी की उम्मीद है और वे इस जांच और उनके परिवार को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका के मिसिसिपी में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

» मेडिसन काउंटी (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के मिसिसिपी में सोमवार को एक मेडिकल परिवहन हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसके एक पायलट और दो अस्पताल कर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी मेडिकल सेंटर के प्रवक्ता ने विमान में सवार सभी लोगों की मौत की पुष्टि की। यूनिवर्सिटी ने पहले दिए गए एक बयान में कहा कि मेडिसन काउंटी में जिस समय यह दुर्घटना हुई उस वक्त एयरकेयर हेलीकॉप्टर (चिकित्सा के कार्य में इस्तेमाल होने वाला हेलीकॉप्टर) में किसी मरीज को नहीं ले जाया जा रहा था।

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लोगों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है, लेकिन अधिकारियों ने गोपनीयता के कारण नाम जारी नहीं किए। यूनिवर्सिटी ने दुर्घटना का कोई कारण नहीं बताया। टेलीविजन स्टेशन डब्ल्यूएपीटी ने बताया कि संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारी दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, यह दुखद घटना मिसिसिपी के चिकित्सा से जुड़े कर्मियों द्वारा उठाए जाने वाले जोखिमों की याद दिलाती है।

अफगानिस्तान की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, तालिबान शासन के साथ चर्चा की : यूएनएससी

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि उसने तालिबान शासन के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है और लोगों से लोगों के विशेष संबंध देश के भारत के मौजूदा जुड़ाव का आधार रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बैठक में कहा कि इस साल की शुरुआत में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। हरीश ने परिषद में कहा, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अफगान पक्ष ने अफगानिस्तान के लोगों के साथ जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, यह निर्णय लिया गया कि भारत, अफगानिस्तान में जारी मानवीय सहायता कार्यक्रमों के अलावा निकट भविष्य में विकास परियोजनाओं में शामिल होने पर विचार करेगा। मिस्री और मुत्ताकी के बीच जनवरी में हुई बैठक, 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से भारत और तालिबान के बीच अब तक का सबसे उच्च स्तरीय संपर्क था। हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अफगानिस्तान के बीच रिश्ता सदियों पुराना रहा है और अपने पड़ोसी देश के रूप में भारत और अफगानिस्तान के लोगों के बीच एक विशेष रिश्ता है जो देश के साथ हमारे वर्तमान जुड़ाव का आधार रहा है। हरीश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और देश में स्थिरता एवं शांति बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। भारतीय दूत ने कहा, हमारा व्यापक दृष्टिकोण अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना और अफगानिस्तान में वास्तविक अधिकारियों एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के तहत एक अंतरराष्ट्रीय आम सहमति बनाना है। उन्होंने कहा कि दोहा, मॉस्को फॉर्मेट और अन्य मंचों में संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में भारत की भागीदारी अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता और विकास को सुरक्षित करने के हमारे प्रयासों का प्रतिबिंब है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संस्था को बताया कि वह स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, खेल और दक्षता विकास के क्षेत्रों में अफगानिस्तान के लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों के साथ काम कर रहा है। वर्ष 2001 से भारत, अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारी विकास साझेदारी में अफगानिस्तान के सभी प्रांतों में फैली 500 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। अगस्त 2021 से अब तक भारत ने देश को 27 टन राहत सामग्री, 50 हजार टन गेहूं, 40 हजार लीटर कीटनाशक और 300 टन से अधिक दवाइयां तथा चिकित्सा उपकरण दिए हैं। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि रोजा ओटुनबाएवा ने परिषद को बताया कि यह वास्तविक अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे बताएं कि क्या वे चाहते हैं कि अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में फिर से शामिल किया जाए और अगर ऐसा है तो क्या वे आवश्यक कदम उठाने के लिए तैयार हैं? जनवरी में मिस्री और मुत्ताकी के बीच बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा एक बयान में कहा गया था कि दोनों पक्षों ने जारी भारतीय मानवीय सहायता कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया।

गाजा पट्टी में इजराइली बलों की गोलीबारी में चार फलस्तीनियों की मौत

» तेल अवीव, भाषा।

गाजा पट्टी में पिछले 24 घंटे में इजराइली बलों की ओर से की गई गोलीबारी में चार फलस्तीनी मारे गए और 14 अन्य घायल हुए। फलस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी की ए घटनाएं क्षेत्र में इजराइल और हमास के बीच काफी हद तक प्रभावी संघर्ष-विराम समझौते के बीच हुईं। इजराइली सेना ने कहा कि गोलीबारी में दर्जनों फलस्तीनी नागरिक मारे गए, जिन्होंने जनवरी में हुए संघर्ष-विराम समझौते का उल्लंघन करते हुए या तो उसके सैनिकों के करीब आने की कोशिश की या फिर अनधिकृत क्षेत्रों में प्रवेश किया।

इजराइल ने चरमपंथी समूह हमास पर संघर्ष-विराम समझौते के पहले चरण के विस्तार को स्वीकार करने का दबाव बढ़ाने के लिए गाजा पट्टी में रह रहे 20 लाख से अधिक फलस्तीनियों को सामान और बिजली की आपूर्ति पिछले हफ्ते रोक दी थी। समझौते का पहला चरण एक मार्च को समाप्त हो गया था। इजराइल चाहता है कि हमास स्थाई संघर्ष-विराम पर बातचीत के लिए हामी भरने के बदले उसके बाकी बंधकों में से आधे को रिहा कर दे।

कई आवासीय इमारतें और कई कारें भी क्षतिग्रस्त | 126 ड्रोन यूक्रेन की सीमा के पार कुर्स्क क्षेत्र में मार गिराए गए

रूसी हवाई रक्षा प्रणाली ने 10 क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

» मॉस्को, भाषा।

रूसी सेना ने मंगलवार को कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने रात भर में 10 रूसी क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। यह तीन साल में रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला माना जा रहा है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई अन्य जख्मी हुए है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेन का एक प्रतिनिधिमंडल रूस के साथ तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने को लेकर सऊदी अरब में अमेरिका के शीर्ष राजनयिक से मिलने वाला है। इस हमले पर यूक्रेनी अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सऊदी अरब में यह वार्ता राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की की 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में तीखी नोकझोंक के बाद एक नए कूटनीतिक प्रयास को दर्शाती है।

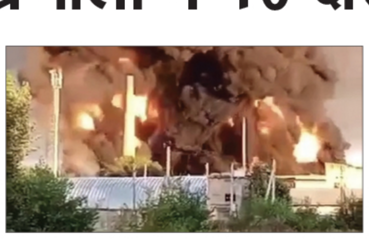

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सबसे अधिक 126 ड्रोन यूक्रेन की सीमा के पार कुर्स्क क्षेत्र में मार गिराए गए। इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर यूक्रेन की सेना का नियंत्रण है तथा 91 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में मार गिराए गए। इसके अलावा यूक्रेन की सीमा से सटे बेलग्रोद, ब्रायंस्क और वोरोनिश तथा रूस के काफी अंदर स्थित कलुगा, लिपेत्स्क, निजनी नोवगोरोद, ओर्योल और रियाज़ान जैसे क्षेत्रो में भी ड्रोन मार गिराए गए हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि रूसी राजधानी की तरफ आ रहे 70 से ज्यादा ड्रोनों को मार गिराया गया। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए तथा इसमें कई आवासीय इमारतें और कई कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। लिपेत्स्क के गवर्नर इगोर आर्तामोनोव ने बताया कि क्षेत्र में एक राजमार्ग पर एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। सोब्यानिन ने कहा कि मॉस्को में एक इमारत की छत को भी नुकसान पहुंचा है। छह हवाई अड्डों से उड़ानों पर अस्थाई रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मास्को को निशाना बनाने वाले कम से कम साठ यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया: मेयर

मॉस्को। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि मंगलवार की सुबह रूसी राजधानी को निशाना बना रहे कम से कम 60 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। सोबयानिन ने बताया कि मॉस्को क्षेत्र के रामेंस्की और दोमोदेदोवो जिलों में कम से कम 11 ड्रोनों को मार गिराया गया। उन्होंने यह नहीं बताया कि अन्य ड्रोन कहां मार गिराए गए। उन्होंने केवल इतना बताया कि वे मॉस्को की ओर आ रहे थे। मॉस्को के दो हवाई अड्डों, दोमोदेदोवो और जुकोवस्की में उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सोबयानिन ने ऑनलाइन बयान में कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन हमले से मॉस्को में एक इमारत की छत को मामूली क्षति पहुंची है। पिछले कुछ महीनों में मास्को को निशाना बनाकर किया गया यह सबसे बड़ा हमला है और यह ऐसे दिन हुआ है जब सऊदी अरब में अमेरिका व यूक्रेन के बीच वार्ता होनी है।

फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति डुटेर्टे को मनीला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया

» मनीला, भाषा।

मानवता के खिलाफ अपराध के एक मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के आदेश के बाद फिलीपीन की पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटेर्टे को मंगलवार को मनीला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। फिलीपीन सरकार ने यह जानकारी दी। इस मामले में डुटेर्टे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने वारंट जारी किया था। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि डुटेर्टे को हांगकांग से आने के बाद गिरफ्तार किया गया और पुलिस ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश पर हिरासत में लिया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ पूर्व राष्ट्रपति की कार्रवाई के तहत हुई बड़े पैमाने पर हत्याओं की जांच कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने एक नवंबर, 2011 से 16 मार्च, 2019 तक डुटेर्टे के कार्यकाल में मादक पदार्थ के खिलाफ कार्वाई के तहत की हत्याओं की जांच शुरू की। घटना के वक्त वह दक्षिणी शहर दावो के मेयर थे।

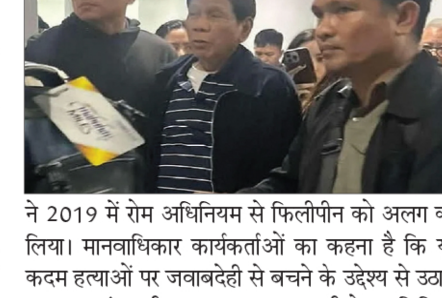

इसे मानवता के खिलाफ संभावित अपराध माना गया।डुटेर्टे ने 2019 में रोम अधिनियम से फिलीपीन को अलग कर लिया। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह कदम हत्याओं पर जवाबदेही से बचने के उद्देश्य से उठाया गया था। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की रोम अधिनियम वह संधि है जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना की गई। डुटेर्टे प्रशासन ने 2021 के अंत में वैश्विक न्यायालय की जांच को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा और यह दलील दी कि फिलीपीन के अधिकारी पहले से ही उन्हीं आरोपों की जांच कर रहे हैं और यह भी कहा कि ए अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के दायरे में नहीं आता।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,